mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-267 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
26 सितंबर 2024 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

कप्तान हरमनप्रीत ...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

देश के किसी भी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कह सकते

● कर्नाटक एचसी के जज के बयान से सीजेआई ने जताई असहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जजों को हिदायत दी कि वे किसी समुदाय पर कमेंट करते वक्त लापरवाही ना बरतें। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच कर्नाटक हाईकोर्ट के जज के विवादित कमेंट का

मामला सुन रही थी जिसमें जज ने बेंगलुरु के एक हिस्से को पाकिस्तान कह दिया था। सीजेआई ने कहा कि आप देश के किसी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कह सकते हैं। यह देश की एकता के मौलिक सिद्धांत के खिलाफ है। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस वी श्रीशनंदा के इस कमेंट का वीडियो वायरल हो गया था, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने खुद इस मामले की सुनवाई शुरू की।

दिल्ली में फिर आने वाला है ऑड-ईवन

● नवंबर में कृत्रिम बारिश कराने की भी तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में दीवाली और नए साल के जश्न के दौरान होने वाले प्रदूषण को लेकर सरकार पहले ही सतर्क हो गई है। हर साल दिल्ली में यह बड़ी समस्या बन जाती है। इसे देखते हुए आतिशी सरकार ने एक बार फिर ऑड ईवन लागू करने के संकेत दिए

हैं। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि अगर दिल्ली में एक्यूआई का स्तर 450 से अधिक होता है तो ऑड ईवन लागू किया जा सकता है। इतना ही नहीं सरकार 1 से 15 नवंबर के बीच दिल्ली में कृत्रिम बारिश कराने की भी तैयारी कर रही है। गोपाल राय ने कहा कि सरकार ने बड़ा फैसला किया है।

कृषि कानूनों की वापसी वाले बयान पर कंगना की माफी

● बोली-मैं अब सिर्फ कलाकार नहीं, राजनेता भी, अपने शब्द वापस लेती हूं

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश से बीजेपी सांसद एक्ट्रेस कंगना रनोट ने कृषि कानूनों को लेकर दिए बयान पर माफी मांग ली है। कंगना ने कहा- यदि मैंने अपने बयान से किसी को

डिसअपॉइंट किया हो तो मैं अपने शब्द वापस लेती हूं। कंगना ने अपने बयान पर सफाई तब दी है जब उनके बयान को लेकर विपक्ष बीजेपी को घेरने में लगा था। हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच आए कंगना के बयान से भाजपा ने भी कि किनारा कर लिया था।

कांग्रेस को लाने का मतलब 'विकास' को दांव पर लगाना

पीएम मोदी बोले-

● कांग्रेस आई तो हरियाणा को बर्बाद कर देगी

● कर्नाटक-हिमाचल में ये आपस में लड़ रहे

सोनीपत (एजेंसी)। हरियाणा चुनाव को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोनीपत के गोहाना में रैली की। मोदी ने कहा कि अगर कांग्रेस की सरकार आई तो हरियाणा को बर्बाद कर देगी। कांग्रेस में सिर-फुटौव्वल मचा हुआ है। कर्नाटक में इनके सीएम और डिप्टी सीएम लड़ रहे हैं। यही हाल हिमाचल और तेलंगाना में है। यहां कांग्रेस को लाने का मतलब हरियाणा के विकास को दांव पर लगाना है। प्रधानमंत्री ने 10 साल पहले पहले सीएम भूपेंद्र हुड्डा की अगुआई वाली कांग्रेस सरकार के वक्त दलितों पर अन्याय का मुद्दा उठाया। इसके अलावा बिना नाम लिए सिरसा सांसद कुमारी सैलजा के साथ कांग्रेस में हो रहे व्यवहार पर भी सवाल खड़े किए। मोदी ने कहा कि कांग्रेस आतंक और अलगाववाद को हवा देना चाहती है। कांग्रेस को शांति पसंद नहीं, इसलिए जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को वापस लाना चाहती है। पीएम ने कांग्रेस को भ्रष्टाचार को पालने-पोसने वाली बताया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शाही परिवार देश में सबसे भ्रष्ट है। कांग्रेस ने जहां कदम रखा, वहां करप्शन और भाई-भतीजावाद पक्का है। मोदी ने कहा कि हरियाणा के युवाओं और किसानों का भविष्य बीजेपी सरकार में ही सुरक्षित है। पिछले 10 साल में यहां की सरकार पर भ्रष्टाचार के कोई आरोप नहीं हैं। मोदी बोले कि किसानों के फायदे के लिए विदेश से आयात होने वाले तेल पर टैक्स लगा दिया है। पीएम की यह रैली हरियाणा के जाटलैंड में हुई। जिसे पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा का गढ़ माना जाता है।

आरएसएस चूहे की तरह घुसपैठ कर झारखंड को बर्बाद कर रहा

रांची (एजेंसी)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संघ की तुलना चूहे से की है। न्यूज एजेंसी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, उन्होंने राज्य के लोगों से कहा कि

आरएसएस चूहे की तरह राज्य में घुसपैठ कर उसे बर्बाद कर रहा, उन्हें अपने गांवों से भगाएं। साहिबगंज में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी सामाजिक अराजकता पैदा करने के लिए हिंदू और मुस्लिम के बीच नफरत के बीज बो रही है। झारखंड की जनसांख्यिकी में कोई बदलाव नहीं हुआ।

साबरकांठा में ट्रक से टकराई कार, 7 की मौत

● कार के अगले हिस्से को गैस कटर से काटकर शव निकाले, 1 गंभीर

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के साबरकांठा में हिम्मतनगर हाईवे पर एक इनोवा कार की बुधवार सुबह ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार 7 लोगों की मौत हो गई। 1 गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज हिम्मतनगर सिविल अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने बताया कि कार में सवार सभी 8 लोग अहमदाबाद के रहने वाले थे। वे शामलाजी से अहमदाबाद की ओर जा रहे थे। इसी दौरान इस कार की ट्रक के पिछले हिस्से से टक्कर हुई। हादसा इतना गंभीर था कि कार का बंपर उड़ गया था और शव कार में फंस गए थे। शवों को निकालने के लिए कार की बॉडी को गैस कटर से काटना पड़ा।

पुलिस बोली- कार तेज रफ्तार में थी एसपी एके पटेल ने बताया कि उनकी टीम मौके पर पहुंची तब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी थी। मरने वालों की पहचान धनवानी, चिराग, रविभाई, रोहित, गोविंद, राहुल, रोहित और बर्थ के रूप में हुई है।

जम्मू-कश्मीर के स्टेटहुड के लिए हम सड़क पर उतरेंगे

राहुल बोले-राज्य का दर्जा छीनकर यूटी बना दिया, भारत के इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ

श्रीनगर (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को जम्मू में कहा कि अगर विधानसभा चुनाव के बाद केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिया तो इंडिया ब्लॉक संसद के अंदर अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल करेगा और जरूरत पड़ी तो सड़क पर भी उतरेगा। राहुल यहां एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब 2019 में जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटा गया था, तो यहां के लोगों के साथ बहुत अन्याय हुआ है। भारत के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि हमने किसी राज्य का राज्य का दर्जा छीन लिया हो और उसे केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिया हो। यह तीन हफ्तों में राहुल गांधी का तीसरा जम्मू-कश्मीर दौरा है।

इसके पहले 4 सितंबर को उन्होंने बनिहाल और दूरू का दौरा किया था, वहीं 23 सितंबर को वे सुरनकोट और सेंट्रल-शाल्टेंग आए थे। आज जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के तहत

दूसरे चरण का मतदान हो रहा है। हम चाहते थे कि चुनाव से पहले राज्य का दर्जा बहाल किया जाए बारामूला में राहुल ने कहा- हम चाहते थे कि चुनाव से पहले जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए।

जम्मू-कश्मीर को स्टेटहुड दिलाने की मांग

हिंदुस्तान में पहले यूनियन टेरिटरी को स्टेट में बदला गया है। बहुत बार हुआ है कि यूनियन टेरिटरी को स्टेट में बदला गया है। स्टेट के दो भाग भी किए हैं। मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ निकाला गया। झारखंड बिहार में से बनाया गया, लेकिन पहली बार किसी स्टेट को यूटी बनाया गया। आपका लोकतांत्रिक हक आपसे छीना गया है। यह हिस्ट्री में पहली बार हुआ है। हमारी मांग है कि एक बार फिर आपको स्टेट का हक दिया जाए। नोटबंदी, गलत जीएसटी लागू किया। छोटे बिजनेसमैन को इन्होंने खत्म किया। इससे हिंदुस्तान में कहीं भी रोजगार नहीं मिल पा रहा है। यही हालात जम्मू-कश्मीर में है। आज बाहर के लोग यहां का फैसला लेते हैं। आपकी सरकार को चलाने में आपकी आवाज ही नहीं है। आपकी सरकार दिल्ली से चलती है।

योगी का मॉडल अपना रही हिमाचल की कांग्रेस सरकार

● होटल और ढाबा मालिकों को अब लिखना होगा अपना नाम

शिमला (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की तर्ज पर हिमाचल प्रदेश में भी अब हर भोजनालय और फास्ट फूड दुकान के मालिकों को अपनी आईडी लगानी होगी। यह फैसला हिमाचल सरकार ने लोगों की परेशानी को देखते हुए लिया है।

इसको लेकर शासन की ओर से शहरी विकास एवं नगर निगम को निर्देश जारी किया गया है। इस बात की जानकारी शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने पत्रकारों से बात करने के दौरान दी। हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार को उत्तर प्रदेश का योगी मॉडल भा गया है।

बदलापुर की इस घटना को एनकाउंटर मानना मुश्किल

हाईकोर्ट बोला-रिपोर्ट बताती है गोली सिर पर मारी, सेल्फ डिफेंस में तो पैर पर गोली चलाते हैं

मुंबई (एजेंसी)। ठाणे के बदलापुर में नर्सरी की दो बच्चियों के साथ यौन शोषण के आरोपी अक्षय शिंदे के एनकाउंटर पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को सवाल उठाए। कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से पूछा- हम कैसे मान लें कि 4 अफसर एक आरोपी को संभाल नहीं पाए। हथकड़ी भी लगी थी, अगर सेल्फ डिफेंस जैसी स्थिति थी तो आरोपी के पैर पर गोली मारते हैं, सिर में नहीं। बेंच ने कहा- अगर गोली चलाने वाला अफसर असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर है, तब वह यह नहीं कह सकता कि उसे रिएक्ट कैसे करना है, इसकी जानकारी नहीं थी। उसे पता होना चाहिए कि फायर कहां करना है। कोर्ट

ने कहा- जैसे ही आरोपी ने ट्रिगर दबाया 4 लोग आसानी से उस पर काबू पा सकते थे। वो कोई बहुत मजबूत आदमी नहीं था। यह स्वीकार करना बहुत मुश्किल है। इसे एनकाउंटर नहीं कहा जा सकता है। अक्षय के पिता ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका लगाकर एनकाउंटर की स्ढ्ढञ्ज से जांच की मांग की है।

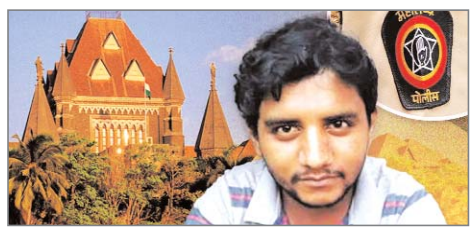

रूस को जंग रोकने के लिए हमें मजबूर करना होगा

● जेलेंस्की ने यूएनएससी में कहा- सिर्फ बातचीत से नहीं निकलेगा हल, पुतिन खुद पीछे नहीं हटेंगे

जिनेवा (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (ह्रस्ष्ट) में कहा है कि रूस और यूक्रेन के बीच जंग रुकवाने के लिए सिर्फ बातचीत काफी नहीं

है। अलजजीरा के मुताबिक, न्यूयॉर्क में ह्रस्ष्ट की बैठक में जेलेंस्की ने कहा, ÷पुतिन अंतरराष्ट्रीय अपराध कर रहे हैं। वे अब तक इतने सारे कानून तोड़ चुके हैं कि अब वे खुद नहीं रुकेंगे। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, ÷यह जंग खुद से खत्म नहीं होगी। पुतिन थककर युद्ध नहीं रोकने वाले हैं।

बीजेपी के करीब आ रहे हैं या कुछ और है तैयारी

● नीतिश व नायडू के मन को टटोलना हो रहा है मुश्किल ● बिहार सीएम ने 8 महीने बाद की पीएम मोदी की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीतीश-नायडू... इन दो नेताओं की अहमियत बीजेपी के लिए क्या है, शायद यह बताने की जरूरत नहीं। मोदी 3.0 में एनडीए में वैसे तो कई दल शामिल हैं लेकिन चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी (ञ्जष्ठक्क) और नीतीश की जेडीयू (छ्वष्ठ) की खास जगह है। 4 जून को जब से लोकसभा के नतीजे सामने आए उसके बाद से इन दो दलों को लेकर कयासों का दौर जारी है। नीतीश-नायडू के हर बयान के मायने मतलब राजनीतिक गलियारों में निकाले जाते हैं।

हाल ही में इन दोनों नेताओं ने ऐसे कदम उठाए हैं जिसे कुछ लोग बीजेपी के साथ उनकी बढ़ती नजदीकियों के तौर पर देख रहे हैं तो वहीं कुछ लोग अलग रणनीति मान रहे

हैं। नीतीश और नायडू इन दोनों नेताओं ने हाल ही में ऐसे कदम उठाए हैं जिन्हें हिंदू वोट बैंक को साधने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

नीतिश के बयान पर बीजेपी नेता भी हैरान

नीतीश कुमार ने 8 महीने बाद ऐसा क्यों कहा। राम मंदिर के लिए मोदी की प्रशंसा और सीतामढ़ी और अयोध्या के बीच सीधी रेल लिंक की मांग ने बिहार बीजेपी के नेताओं के मन में भी आशंका पैदा कर दी है। बीजेपी नेताओं को लगता है कि जिन वोटों के दम पर लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने बेहतर प्रदर्शन किया उस वोट बैंक में नीतीश कुमार सेंध लगाने की कोशिश कर सकते हैं। नीतीश कुमार ने पहले कभी ऐसी कोई टिप्पणी नहीं की है। पिछले आठ महीनों से, गठबंधन सहयोगी होने के बावजूद, वह चुप रहे हैं। अब यदि वह ऐसी बात कह रहे हैं तो उसके पीछे उनकी कोई न कोई बात जरूर होगी।

नायडू के निशाने पर सिर्फ जगन तो नहीं

चंद्रबाबू नायडू के निशाने पर जगन मोहन तो थे ही क्योंकि अब भी वह राज्य के प्रमुख विपक्षी दल के नेता हैं। लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी की हालत खराब है और नायडू और अधिक चोट करना चाहते हैं। इसके अलावा पवन कल्याण फैक्टर भी है। आंध्र के डिप्टी सीएम और जन सेना पार्टी (जेएसपी) के नेता पवन कल्याण राज्य में एक प्रमुख चेहरे को तौर पर उभरे हैं। बीजेपी के साथ भी संबंध मजबूत हैं। पीएम मोदी ने भी इनकी तारीफ करते हुए कहा था कि पवन नहीं आंधी है। तिरुपति लड्डू विवाद जब छिड़ा तो अभिनेता से नेता बने कल्याण कहीं अधिक आक्रामक नजर आए। ऐसे में यह माना जा रहा है कि चंद्रबाबू नायडू ने ऐसे ही यह कदम नहीं बढ़ाया। हिंदू वोटों के बीच वह अपनी पकड़ और मजबूत करना चाहते हैं।

10 साल तक दुनिया का सरताज बना रहेगा भारत!

चीन, अमेरिका और जापान...कोई नहीं है टक्कर में, सबको छोड़ा पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है और अगले कई साल तक इसके टॉप पर रहने का अनुमान है। वर्ल्ड बैंक और आईएमएफ समेत दुनिया की कई एजेंसियों भारत की इकॉनमी का लोहा मान चुकी हैं।

इंडेक्स 2024 के मुताबिक अगले 10 साल में भारत का एवरेज जीडीपी ग्रोथ रेट 6.3 फीसदी रहेगा। दूर-दूर तक कोई भारत के मुकाबले में नहीं है। इस दौरान चीन का एवरेज जीडीपी ग्रोथ रेट 4 फीसदी और अमेरिका का 1.4 फीसदी रहने की उम्मीद है। भारत के बाद दूसरे नंबर पर यूएई रहेगा जिसका अगले 10 साल में एवरेज जीडीपी ग्रोथ रेट 5.5 फीसदी रहने का अनुमान है।

भारत अभी दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी है और माना जा रहा है कि जल्दी ही वह जापान और जर्मनी को पछाड़कर तीसरे नंबर पर पहुंच जाएगा। इंडेक्स 2024 के मुताबिक अगले 10 साल में सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में इंडोनेशिया तीसरे नंबर पर रहेगा। वहां का एवरेज जीडीपी ग्रोथ रेट 5.5 फीसदी रहने का अनुमान है।

उसके बाद सऊदी अरब (4.6 फीसदी), तुर्की (4 फीसदी) और चीन का नंबर है। रूस, पोलैंड, साउथ अफ्रीका, सिंगापुर, मेक्सिको, चिली, स्वीडन, ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना की इकॉनमी के 2 फीसदी से अधिक रफ्तार से बढ़ने की उम्मीद है। इस दौरान आयरलैंड, हंगरी, चेक गणराज्य, साउथ कोरिया, ब्राजील, अमेरिका, यूके, नीदरलैंड, जापान, कनाडा और पुर्तगाल का एवरेज जीडीपी ग्रोथ रेट एक से दो फीसदी के बीच रहने का अनुमान है।

संक्षिप्त समाचार

उमरिया जिले के पठारीकला गांव के जनजातीय ग्रामीणों ने ली शपथ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आत्मशुचिता (स्वच्छता) सबके लिये बेहद जरूरी है। मानव तन-मन के विकास में ही समाज का विकास निहित है। भारत सरकार के स्वच्छता ही सेवा अभियान की तरह नशा मुक्ति अभियान की सफलता भी प्रदेश के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में साफ-साफ दिखाई देने लगी है। उमरिया जिले की करकेली जनपद पंचायत क्षेत्र के पठारीकला गांव में बीते रविवार को पूरे गांव ने नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने के लिये एक बड़ा कदम उठाया है। गांव के सभी जनजातीय ग्रामीणों ने जुलूस निकालकर शराब न बनाने और इसका सेवन भी कतई न करने की शपथ ली। अभियान की सफलता के लिए ग्रामीणों ने कंधे से कंधा मिलाकर यह सामाजिक संकल्प लिया। सामाजिक संकल्प के साथ गांव के लोगों ने लिखित शपथ-पत्र भी दिया। शपथ-पत्र में साफ-साफ लिखा है कि 'हम आज से न कभी शराब पियेंगे और न ही बनायेंगे और अगर ऐसा करते पाये गये, तो 10 हजार रुपये का अर्थदण्ड देंगे।' इस मौके पर गांव के सरपंच श्री गोविंद सिंह मरावी, जनपद सदस्य श्री संतराम सिंह परस्ते, सर्वश्री रामपाल सिंह बडकरे, रूपशाह मरकाम, बारेलाल सिंह बडकरे, लालशाह बैगा, देवीदीन बैगा, सुदामा सिंह, जगत प्रसाद बैगा, शीतल बैगा, बसंत बैगा, रामनारायण सिंह, मंगल सिंह, रघुनाथ सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, नत्थू बैगा, श्रीमती गीता बाई, श्रीमती ममता बाई, श्रीमती शकुंतला बाई, श्रीमती रामवती बाई, श्रीमती फूलबाई सहित अन्य जनजातीय ग्रामीणों ने यह शपथ ली। गांव के प्रबुद्धजनों एवं जागरूक लोगों ने इन ग्रामीणों को बताया कि कोई भी नशा या बुरी आदत समाज एवं परिवार को पतन की ओर ले जाता है। नशा और बुरी आदतें घर की सुख-समृद्धि एवं बच्चों की शिक्षा को पूरी तरह नष्ट कर देता है। हम सभी नशामुक्त होकर स्वस्थ और स्वच्छ समाज के निर्माण में भागीदार बनें। साथ ही बच्चों की शिक्षा पर भी पूरे समर्पण से ध्यान दें, तभी हम अपने गांव, जिले, प्रदेश और देश को नशामुक्त बना पायेंगे। उल्लेखनीय है कि समाज में शराब का सेवन और दूसरे प्रकार के नशे की बढ़ती लत बेहद चिंतनीय है। कई आपराधिक घटनाओं, दुर्घटनाओं के पीछे शराबखोरी और नशे की लत बड़ी वजह के रूप में सामने आती हैं। नशा मुक्ति अभियान को लेकर जब हम सभी जागरूक होंगे, तभी आपराधिक घटनायें एवं दुर्घटनायें रुकेंगी।

राज्य स्तरीय विश्वकर्मा पुरस्कार के लिये चयनित कलाकृतियों को लेकर आपत्ति आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम मर्यादित ने राज्य स्तरीय विश्वकर्मा पुरस्कार के लिए चयनित कलाकृतियों के बारे में 15 अक्टूबर 2024 तक आपत्तियां मंगाई गई हैं। संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम मर्यादित के प्रबंध संचालक श्री मोहित बुंदस ने बताया कि वर्ष 2022-23 के राज्य स्तरीय विश्वकर्मा पुरस्कार के लिये चयनित कलाकृतियों के बारे में 15 अक्टूबर तक आपत्ति दर्ज करा सकेंगे। उन्होंने बताया कि आपत्ति दर्ज कराने का समय शाम 5 बजे तक रहेगा। इसके साथ ही संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम की आधिकारिक वेबसाइट पर विवरण देखा जा सकता है।

24 लाख से अधिक लाड़ली बहनों को 450 रूपये में गैस सिलेंडर: खाद्य मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि राज्य शासन द्वारा 24 लाख से अधिक लाड़ली बहनों को 450 रूपये में रसोई गैस का सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। योजनान्तर्गत जुलाई 2023 से मई 2024 तक 2 करोड़ 57 लाख 56 हजार गैस सिलेंडर (रिफिल) के लिए 632 करोड़ 16 लाख रूपये का अनुदान लाड़ली बहनों के खाते में जमा कराया गया है। योजना का क्रियान्वयन सतत् रूप से किया जा रहा है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि महिलाओं को परम्परागत ईंधन के साधनों से भोजन पकाने में स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को रोकने एवं पर्यावरण की सुरक्षा तथा सुरक्षित एवं स्वच्छ ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के एलपीजी कनेक्शनधारी एवं गैर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के गैस कनेक्शनधारी मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की पंजीकृत बहनों को उनके द्वारा लिए गए गैस रिफिल को 450 रूपये में उपलब्ध कराने की योजना माह जुलाई, 2023 से लागू की गई है। उमरिया जिले की झिरिया मोहल्ला निवासी श्रीमती सीमा शर्मा ने बताया कि हम जैसे गरीब लोगों के लिये 450 रूपये में सिलेंडर मिलने से हमारे रसोई की आधी समस्या दूर हो जाती है। उन्होंने बताया कि यह हमारे मुख्यमंत्री एवं लाड़ले भईया डॉ. मोहन यादव की लाड़ली बहनों के प्रति एक महत्वपूर्ण सौगात है।

28वें मुख्य न्यायाधिपति को राज्यपाल ने दिलाई शपथ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के 28वें मुख्य न्यायाधिपति की शपथ न्यायमूर्ति श्री सुरेश कुमार कैत को दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन राजभवन के सांदीपनि सभागार में किया गया था। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहे। राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नव-नियुक्त मुख्य न्यायाधिपति को शपथ ग्रहण के बाद पुष्प-गुच्छ भेंट कर बधाई और शुभकामनाएं दीं। शपथ ग्रहण समारोह का संचालन मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने किया। उन्होंने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री सुरेश कुमार कैत को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधिपति नियुक्त किए जाने की अधिसूचना का वाचन किया। शपथ ग्रहण समारोह में खेल एवं युवा कल्याण और सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, खजुराहो सांसद एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री वी.डी. शर्मा, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन श्री संजय दुबे, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री मुकेश चंद गुप्ता, रजिस्ट्रार जनरल जबलपुर हाई कोर्ट श्री मनोज श्रीवास्तव, मध्यप्रदेश एवं दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, जिला न्यायालय भोपाल के न्यायाधीश, बार एसोसियेशन के सदस्य, विभिन्न आयोगों के पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि, विधि-विधायी कार्य एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आगामी रबी सीजन में किसानों के लिए हो बिजली की पर्याप्त उपलब्धता

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आगामी रबी सीजन में किसानों के लिये बिजली की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें। इसके लिये जनरेशन कम्पनी के साथ बैठकर कार्य योजना तैयार करें। सभी बिजली प्लांट सतत् रूप से चालू रहें। कोयले की पर्याप्त व्यवस्था कर लें। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश मंत्रालय में पॉवर मैनेजमेंट कंपनी के कार्यों की समीक्षा के दौरान दिये।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने सोलर प्रोजेक्टस की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी प्रोजेक्ट तय समय सीमा में पूरा करायें। इनकी सतत् मॉनीटरिंग करें। वित्त वर्ष 2024-25 में आगर, शाजापुर, ओंकारेश्वर में सोलर प्रोजेक्ट का कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि विद्युत उत्पादकों के देयकों का भी भुगतान समय पर करें। श्री तोमर ने पॉवर एक्सचेंज, बिजली के शेडयूल प्रक्रिया, बिजली की उपलब्धता एवं कटौती सहित अन्य विषयों की गहन समीक्षा कर जरूरी निर्देश दिये। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव ने बिजली की शेड्यूल प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अगले दिन के लिये बिजली की आवश्यकता का निर्धारण करते समय वितरण कम्पनियों द्वारा विद्युत की मांग तथा उत्पादन कम्पनियों द्वारा घोषित विद्युत की उपलब्धता को दृष्टिगत रखा जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में पेयजल आपूर्ति में ऐतिहासिक उपलब्धियां

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में, मध्यप्रदेश ने पेयजल आपूर्ति और स्वच्छता के क्षेत्र में पिछले 9 महीनों में कई अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जल जीवन मिशन के सपनों को साकार करने के समग्र प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके की सतत् निगरानी में विभाग ने अनेक योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया है, जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश के लाखों परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया गया है। प्रदेश में पिछले 9 महीनों में, प्रदेश में 6 लाख से अधिक परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया गया है, जिससे हर घर जल के लक्ष्य की ओर तेजी से कदम बढ़ाए गए हैं। मध्यप्रदेश के जिन गाँवों में कार्य पूर्ण हो गया है उन्हें हर घर जल ग्राम घोषित किया गया है, जो ग्रामीण जल आपूर्ति में मील का पत्थर साबित हुआ है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत ?7,364.98करोड़ रूपये का व्यय किया गया।

इससे नज-जल परियोजनाओं को मजबूती मिली है। विगत नौ माह में प्रदेश की सभी जल योजनाओं की वित्तीय प्रामाणिकता पूरी कर ली गई है, जिससे परियोजनाओं में पारदर्शिता और कुशलता सुनिश्चित हो रही है। प्रदेश के सभी जल स्रोतों की जियो-टैगिंग पूरी की गई है, जबकि 95त्न स्कीम इंफॉर्मेशन बोर्ड भी जियो-टैग हो चुके हैं। यह प्रक्रिया योजनाओं की निगरानी और पारदर्शिता के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

प्रदेश में खुले नल-कूप से दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सुरक्षा अधिनियम पारित किया गया है, जिससे इस प्रकार की दुर्घटनाओं में भारी कमी आई है। प्रदेश के सभी गांवों में जल गुणवत्ता की जांच के लिए फील्ड टेस्ट किट उपलब्ध कराए गए हैं, और प्रत्येक गांव में 5 ग्रामीणों को जल गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

स्वत्व एवं स्वभाषा पर गर्व का भाव जागृत कर भारत को विश्वमंच पर सिरमौर बनाने में करें सहभागिता-उच्च शिक्षा मंत्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारत के ग्रामीण परिवेश में गृहिणियों को रसोई में किसी नापतौल (तराजू) की आवश्यकता नहीं होती, यह सर्वोत्कृष्ट एवं कुशल प्रबंधन है। इस प्रबंधन का किसी शैक्षणिक संस्थान में कोई पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं है, यह हमारा परंपरागत ज्ञान है। भारतीय दर्शन, सभ्यता एवं विरासत को श्रेष्ठ ज्ञान परम्परा के साथ जोड़ना होगा। इसके लिए भारत की परम्पराओं पर युगानुकुल परिप्रेक्ष्य दृष्टिकोण के आधार पर पुन: शोध एवं अनुसंधान करने की आवश्यकता है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने मंगलवार को शिवाजी नगर स्थित सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय में नवनिर्मित केंद्रीय कंप्यूटर भवन के लोकार्पण अवसर पर कही। मंत्री श्री परमार ने केंद्रीयकृत कंप्यूटर लैब एवं इंग्लिश लैंग्वेज लैब का लोकार्पण किया। श्री परमार ने महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ एवं स्व सहायता समूह कक्ष का उद्घाटन भी किया। श्री परमार ने स्व सहायता समूह की छात्राओं से उनका परिचय भी प्राप्त किया। श्री परमार ने छात्राओं की सहभागिता से संचालित स्व सहायता समूह से तुलसी का एक पौधा खरीदकर, बेटियों को शुभकामनाएं प्रेषित की। मंत्री श्री परमार ने कहा कि महाविद्यालय का यह स्व सहायता समूह, प्रदेश के लिए आदर्श प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर अभिप्रेरणा का केंद्र बनेगा।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारतीय दर्शन में अनादिकाल से कृतज्ञता एवं संरक्षण का भाव है। हमारी संस्कृति में नदी, वन, पर्यावरण एवं सूर्य आदि समस्त ऊर्जा के स्त्रोत हैं। इनसे हमने संरक्षण एवं कृतज्ञता के भाव से पूजा पद्धति, उपासना पद्धति और सम्मान करना सीखा, जो भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य निधि है। पुन: इस परंपरा को स्थापित करना है। भारत की ज्ञान परंपरा में प्राचीन काल से ही वेदों एवं ज्ञान का भंडार रहा है।

दुग्ध उत्पादकों की मांग पर फैट के भाव में 20 रु. प्रति किलो की हुई वृद्धि

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विजन अनुरूप प्रदेश में दुग्ध उत्पादकों की उन्नति, आय में वृद्धि, प्रदेश में नई श्वेत क्रान्ति लाने, उच्च नस्ल के पशुओं की उपलब्धता बढ़ाने, दुग्ध उत्पादन की लाभप्रदता की वृद्धि, डेयरी टेक्नोलॉजी उच्च कौशल प्राप्त मानव संसाधनों की उपलब्धता और डेयरी टेक्नोलॉजी में आधुनिकता लाने के लिये शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिये उज्जैन में प्रदेश का पहला डेयरी टेक्नोलॉजी कॉलेज स्थापित किये जाने के प्रस्ताव का सर्व-सम्मति से अनुमोदन दुग्ध संघ की वार्षिक साधारण सभा में किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदर्शी योजना के तहत डेयरी उत्पादन में आधुनिक तकनीक का प्रयोग, मशीनीकरण व उच्च स्तरीय मानव संसाधन प्रबंधन किया जा रहा है। दुग्ध संघ समितियों एवं दुग्ध उत्पादक किसानों के कल्याण, आय में वृद्धि, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, दुग्ध संकलन को दोगुना करना, प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर दुग्ध सहकारी समिति स्थापित करने के लिये राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और मध्यप्रदेश दुग्ध फेडरेशन के समझौते का उज्जैन दुग्ध संघ द्वारा बहुमत से प्रस्ताव पारित कर अनुमोदन किया गया। उज्जैन दुग्ध संघ की 43वीं वार्षिक साधारण सभा में दुग्ध समितियों एवं दुग्ध उत्पादकों की प्रमुख मांग दूध के प्रति किलो फैट के भाव में वृद्धि किये जाने की मांग को पूरा करते हुए 20 रुपये प्रति किलो फैट की वृद्धि की गई। वृद्धि के बाद नये भाव 740 रुपये प्रति किलो फैट होंगे। संभागायुक्त एवं प्रशासक दुग्ध संघ श्री गुप्ता ने कहा कि उज्जैन दुग्ध संघ द्वारा उच्च गुणवत्ता का दूध एवं दुग्ध के उत्पाद के निरन्तर उपलब्ध कराने पर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा दुग्ध संघ को सर्वोच्च श्रेणी 'ए+' प्रदान की गई है।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में पक्षी अवलोकन एवं नेचर कैम्प

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड के सहयोग से वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में छात्र-छात्राओं में वन वन्यप्राणियों एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति सवेदनशीलता विकसित करने की दृष्टि से भोपाल शहर एवं उसके आस-पास के ग्रामों के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिये एक दिवसीय पक्षी अवलोकन एवं नेचर कैम्प आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में 24 सितम्बर को शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय नवीन कन्या तुलसीनगर भोपाल के 45 छात्राओं एवं 02 शिक्षिकाओं ने उक्त पक्षी अवलोकन एव नेचर कैम्प में भाग लिया।

कार्यक्रम में स्रोत व्यक्ति रूप में डॉ. एस.आर. वाघमारे, सेवानिवृत्त उप वन संरक्षक एव पक्षीविद के रूप में मो खालिक भोपाल बर्डस उपस्थित रहे। विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को पक्षी दर्शन तितली, वन्यप्राणी दर्शन, स्थल पर

विद्यमान वानिकी गतिविधियों की जानकारी, वन, वन्यप्राणी व पर्यावरण से संबंधित रोचक गतिविधियों कराई गई एवं जानकारी प्रदान कर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया गया। साथ ही जैव विविधता एवं उसके संरक्षण के बारे में छात्राओं को विषय विशेषज्ञों द्वारा जानकारी प्रदान की गई। कैम्प में बाघ, तेंदुआ, भालू, मगर, घडियाल, चीतल, साभर, नीलगाय आदि वन्यप्राणियों का भी अवलोकन कराया गया। तितलियों के लार्वा प्यूपा आदि को दिखाकर तितली की लाईफ साईकल को समझाया गया। इस अवसर पर मिशन लाईफ अतर्गत पर्यावरण सरक्षण के लिये उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा शपथ भी ली गई। इस दौरान सहायक संचालक वन विहार श्री एस के सिन्हा एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जीएमसी भोपाल में तंबाकू निवारण केंद्र का हुआ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल में तंबाकू निवारण केन्द्र (टीसीसी) का केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री जाधव प्रतापराव गणपतराव ने वर्चुअली शुभारंभ किया। डीन जीएमसी डॉ कविता एन सिंह ने बताया कि गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल में तंबाकू निवारण केन्द्र (टीसीसी) का डीन जीएमसी डॉ. कविता एन. सिंह ने शुभारंभ किया। डीन जीएमसी डॉ सिंह ने बताया कि गाँधी चिकित्सा महाविद्यालय में टीसीसी सेंटर, सामुदायिक चिकित्सा विभाग एवं मानसिक रोग विभाग के समन्वय से प्रतिदिन अस्पताल का ओपीडी समय पर संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र कुमार पटने, सायकेट्रिक सोशल वर्कर श्रीमति दिव्या शुक्ला एवं

सामुदायिक चिकित्सा विभाग के चिकित्सक हमीदिया अस्पताल में तंबाकू से होने वाले रोगो के रोगियों एवं तंबाकू छोडने के इच्छुक व्यक्तियों के परामर्श एवं उपचार में सहायता करेंगे। तंबाकू निवारण केंद्र (टीसीसी) का उद्देश्य तंबाकू छोड़ने के लिए रोगियों को जागरूक करना और चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है। इसमें तंबाकू उपयोगकर्ताओं के लिए व्यवहारिक हस्तक्षेप, औषधीय उपचार और पुनर्वास रणनीतियां शामिल हैं।

साथ ही सामुदायिक जागरूकता के प्रयास भी टीसीसी के द्वारा किए जाएँगे। उल्लेखनीय है कि तंबाकू का उपयोग वैश्विक स्तर पर मृत्यु का एक प्रमुख कारण है, जिससे प्रति वर्ष 80 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु होती है। अकेले भारत में, तंबाकू हर साल लगभग 13.5 लाख मौतों के लिए जिम्मेदार है। तंबाकू शरीर के लगभग हर हिस्से को प्रभावित करती है। तंबाकू से होने वाली तीन प्रमुख बीमारियां हैं- कैंसर, कोरोनरी आर्टरी रोग और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव फेफड़ों की बीमारी। चिंताजनक बात यह है कि तंबाकू से होने वाली बीमारियों के कारण होने वाली मौतों की संख्या मलेरिया, टीबी और एचआईवी से होने वाली कुल मौतों से भी अधिक है। तंबाकू पर वैश्विक वयस्क सर्वेक्षण (ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के 28.6 प्रतिशत वयस्क वर्तमान में किसी न किसी रूप में तंबाकू का उपयोग करते हैं, जबकि 13-15 वर्ष की आयु के युवाओं में तंबाकू का उपयोग 8.5 प्रतिशत है। हालांकि, पिछले एक दशक में तंबाकू के सेवन में देश भर में कमी आई है, जो यह संकेत देता है कि हमारी तंबाकू नियंत्रण नीतियां सही दिशा में बढ़ रही हैं, फिर भी हम तंबाकू मुक्त भारत के अपने लक्ष्य से काफी दूर हैं।

जिला खनिज प्रतिष्ठान की बैठक आयोजित

प्रगतिरत कार्यों की अद्यतन रिपोर्ट दो सप्ताह में प्रस्तुत करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला खनिज प्रतिष्ठान की बैठक में स्वीकृत कार्यों के प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक सीधी रीती पाठक, चुरहट अजय सिंह, धौहनी कुंवर सिंह टेकाम, कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, वन मण्डलाधिकारी क्षितिज कुमार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमान राज, अपर कलेक्टर राजेश शाही, जिला खनिज अधिकारी ए.के. राय सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

बैठक में पूर्व के वर्षो में जिला खनिज प्रतिष्ठान अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की अद्यतन स्थिति, पूर्ण कार्यों, अपूर्ण कार्यों तथा प्रगतिरत कार्यों के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों के निर्देशानुसार संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि आगामी 2 सप्ताह में पूर्व स्वीकृत कार्यो। का भौतिक सत्यापन कर अद्यतन स्थिति के संबंध में जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही कार्य पूर्णता की संभावित तिथि के विषय में भी अवगत करायें। जो कार्य पूर्ण हो चुकेहैं उनके पूर्णता प्रमाण पत्र जारी कर संबंधित विभाग को हैण्डओवर करना भी सुनिश्चित करें। बैठक में आगामी वर्ष के लिए जिला खनिज प्रतिष्ठान से प्रस्तावित कार्यों की सूची भी जनप्रतिनिधिगणों से चाही गई है।

जिला खनिज अधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि जिला खनिज प्रतिष्ठान अंतर्गत वर्ष 2023-24 तक कुल राशि 495766538 रूपये प्राप्त हुई है जिसमें से जिला स्तर पर अनुमोदित कार्यों की कुल लागत राशि 381381700 रूपये है तथा वित्तीय वर्ष 2023724 तक कार्यों हेतु अवशेष कुल राशि 40986829 रूपये हैं। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्राप्त होने वाली संभावित राशि 8 करोड़ रूपये है। उन्होने बताया कि वर्ष 2015-16 से 2023-24 तक कुल 202 कार्य स्वीकृत किए गए थे जिनमें से 72 कार्य पूर्ण हो गए हैं जबकि 115 कार्य प्रगतिरत तथा 10 कार्य अप्रारंभ या निरस्त कर दिए गए हैं। उन्होने बताया कि जिला खनिज प्रतिष्ठान अंतर्गत उच्च प्राथमिकता क्षेत्रों में 60 प्रतिशत तथा अन्य प्राथमिकता क्षेत्रों में 40 प्रतिशत खर्च करने का प्रावधान है। उच्च प्राथमिकता क्षेत्र में पेयजल प्रदाय, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण के उपाय, स्वास्थ्य की देखभाल, शिक्षा, महिलए एवं बाल कल्याण, वृद्ध एवं निःशक्तजन कल्याण, कायैशल विकास एवं स्वच्छता सम्मिलित है। अन्य प्राथमिकता क्षेत्र में भोति अवसंरचना, सिंचाई, ऊर्जा एवं वाटर शेड विकास तथा खनन जिलों मे पर्यावरण की गुणवत्ता में अभिवृद्धि करने के लिए कोई अन्य उपाय शामिल है।

सांसद ढोल नगाड़ों के साथ नगर में निकले सदस्यता अभियान के लिए

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने के पश्चात भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे संगठन पर्व के अंतर्गत घर.घर सदस्यता विशेष अभियान में ढोल नगाड़ों के साथ नगर पालिका परिषद के बूथ क्रमांक 231 में शामिल हुए। दर्जनो साथियों के साथ सांसद डॉ राजेश मिश्रा हर घर सदस्यता के लिए डोर टू डोर जाकर, रास्ते में चलते हुए राहगीरों को रोक कर, भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता के लिए प्रेरित कर भाजपा की सदस्यता दिलाई।

स्वास्थ्य विभाग में फार्मासिस्ट रीढ़ की हड्डी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। फार्मासिस्ट दिवस पर बुधवार को जिला मुख्यालय में डॉक्टर विवेक तिवारी डॉक्टर, रविशंकर शुक्ल मध्य प्रदेश फार्मेसी एसोसिएशन जिला अध्यक्ष फार्मासिस्ट मनोज सिंह, मनोज जायसवाल,लाल बहादुर सिंह, सुनील पांडे, विनय केवट, तुलसीदास पटेल, रवि शंकर साहू सहित अन्य की मौजूदगी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मनोज सिंह प्रदेश फार्मेसी एसोसिएशन जिला अध्यक्ष ने कार्यक्रम के दौरान अपने उद्बोधन में कहा कि स्वास्थ्य तंत्र की आवश्यकताओं की पूर्ति जैसा महत्वपूर्ण कार्य फार्मासिस्टों द्वारा किया जाता है इसलिए फ ार्मासिस्ट की सेवाओं के बिना स्वास्थ्य सेवा की कल्पना संभव नहीं है। फार्मासिस्ट अपने विशेष तकनीकी ज्ञान से दवाओं के निर्माण, उपयोग विधि, मानव शरीर पर प्रभाव दुष्प्रभावए रखरखाव के साथ.साथ दवाओं के चयन व तार्किक उपयोग की सलाह चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मियों को देने का काम करते हैं। इस तरह फार्मासिस्ट स्वास्थ्य तंत्र की रीढ़ की तरह हैं।

सेंट्रल बैंक में चोरी का प्रयास

चोरों ने कैमरे के साथ की छेड़छाड़, सर्विलांस टीम ने पुलिस को दी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर एजेंसी। करन पठार थाना अन्तर्गत ग्राम तुलरा में दो चोरों ने बैंक का ताला तोड़ा और वाहन चोरी करने का प्रयास किया। जहां ताला तोड़ने के साथ वहां लगे हुए सीसीटीवी कैमरा को भी उन्होंने तोड़ दिया। साथ ही अलार्म सिस्टम को भी तोड़ने का प्रयास किया। बैंक के सर्विलांस सिस्टम से जानकारी पर सिक्योरिटी एजेंसी ने पुलिस और बैंक प्रबंधन को इसकी सूचना दी। मंगलवार रात लगभग 3 बजे पुलिस और बैंक का स्टाफ मौके पर पहुंचा लेकिन तब तक चोर फरार हो चुके थे।

दो आरोपी रेनकोट पहने और चेहरा ढंककर बैंक परिसर में पहुंचे जहां पहले उन्होंने बैंक के बाहर लगे हुए सीसीटीवी कैमरे को तोड़ा। इसके बाद बैंक में लगे हुए ताले को तोड़ते हुए बैंक के भीतर प्रवेश किया। वहां लगे हुए अलार्म सिस्टम को तोड़ने का प्रयास किया। इसके बाद चोर कैश काउंटर के दराज खोलकर उसे चेक किया लेकिन वह खाली निकाला इसके बाद पकड़े जाने के डर से वह मौके से फरार हो गए।

डॉग स्क्वायड, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट सहित पहुंची टीम: इस मामले में करन पठार थाना प्रभारी संजय खलको ने बताया कि उन्हें रात लगभग 3 बजे मामले की सूचना मिली। इसके बाद मौके पर पहुंच कर देखा गया तो बैंक का ताला टूटा हुआ था। लेकिन आरोपी वहां से फरार हो गया था। सीसीटीवी फुटेज देखने पर दो आरोपी की पहचान हुई। घटना की सूचना के पश्चात शहडोल से फोरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग स्क्वायड सुबह घटना स्थल पर पहुंचे।

चप्पे चप्पे पर रहेगी पुलिस की निगाह, शहर की सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था में होगा सुधार

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। नगर में आगमन व प्रस्थान के प्रमुख स्थल, चौराहे एंव सार्वजनिक स्थलों में 32 नए हाईटेक कैमरे लगाने का कार्य प्रांरभ हो गया है। जिसका जल्द ही कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा साथ ही अक्टूबर माह से सुचारू संचालन का कार्य प्रांरभ हो सकता है। कहने के लिये सीधी को मिनी स्मार्ट सिटी का तमगा तो प्राप्त हो गया है किन्तु सुविधाओं को मुहैया कराने में आज भी सीधी पिछड़ा जान पड़ता है। ऐसे में पुलिस अधीक्षक डॉ.रविन्द्र वर्मा की विशेष पहल पर सराहनी कार्य माना जा रहा है। शहर को सुरक्षित बनाने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर कैमरे लगाना अनिवार्य माना जाता है। जिसको देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला, संभाग एवं राज्य स्तर की कई बैठकों में नगर में सीसीटीव्ही कैमरे लगाने की बात को लगातार उठाया जाता रहा है। जिसके फलस्वारूप नगर के करीब 32 ऐसे स्थान चयनित किए गये हैं, जहां कैमरे लगाए जाएंगे। कैमरे लगाए जाने में किसी की निजता भंग नहीं हो, इसकी मॉनीटरिंग एकीकृत कमांड कंट्रोल सेंटर से होगी और इसके लिए सक्षम अधिकारी की भी नियुक्ति होगी। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा समय समय पर प्रभारी अधिकारी कर्मचारियों के साथ बैठक कर गुणवत्ता में सुधार हेतु निर्देशित भी किया जायेगा। बाक्समिनी स्मार्ट सिटी में लगेगें 32 हाईटेक कैमरे - मिली जानकारी के आधार पर आगामी माह से शहर का चप्पा.चप्पा अत्याधुनिक कैमरों की निगरानी में रहेगा।

विगत वर्षो में तत्कालीन विधायक पं.केदारनाथ शुक्ल द्वारा शहर की सुरक्षा व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिये विधायक मद से सहयोग राशि नगर पालिका परिषद सीधी को मुहैया कराई गई थी किन्तु कई स्थलो पर लगाये गये कैमरो के बाद भी कई प्रमुख स्थलों पर कैमरे की कमी महसूस हो रही थी। जिसको देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा नगर में 32 नए कैमरे लगवाने का कार्य प्रांरभ कर दिया गया है। जिसमें चयनित प्रमुख स्थलों में एसपी ऑफिस मार्ग पर तिराहा, सम्राट चौक, अस्पताल चौक, पूजा पार्क, गांधी चौक, सोनांचल बस स्टैंड, लालता चौक, फूलमती माता मंदिर मार्ग, कलेक्ट्रेट चौक, संजय गांधी महाविद्यालय, नवीन बस स्टैंड, पुलिस लाईन मार्ग, अमहा तिराहा, सीधी रीवा मार्ग तिराहा, कमर्जी हाऊस तिराहा, नाग मंदिर, पुरानी सीधी मार्ग हनुमान मंदिर के समीप, आरटीओ ऑफिस तिराहा, सर्राफा चौक, कमला कॉलेज मार्ग, तोरण द्वार तिराहा, उॅची हवेली तिराहा के समीप, मेघदूत पार्क मार्ग, बहरी बाईपास, रीवा बाईपास, कमर्जी मार्ग, मड़रिया बाईपास, मझौली बाईपास शामिल हैं।

पंडित दीनदयाल को नमन कर भाजपाई चले हर बूथ पर 100 सदस्य बनाने

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। एकात्म मानववाद के प्रणेता, भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर भारतीय जनता पार्टी ने विशेष सदस्यता अभियान चलाकर प्रत्येक बूथ पर कम से कम 100 सदस्य बनाने का लक्ष्य रखते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के पश्चात प्रवासी कार्यकर्ता के रूप में प्रत्येक बूथ में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का दिन भर का प्रवास रहा। विशेष सदस्यता दिवस के दिन भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के महामंत्री एवं संभागीय संगठन प्रभारी रणवीर सिंह रावत चुरहट विधानसभा के वार्ड क्रमांक 7, प्रदेश महामंत्री एवं चुरहट के पूर्व विधायक शरदेन्दु तिवारी चुरहट विधानसभा के बूथ क्रमांक 312, भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान बूथ क्रमांक 155, लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा सीधी नगर के बूथ क्रमांक 231, भाजपा प्रदेश मंत्री एवं जिला संगठन प्रभारी राजेश पाण्डेय बूथ क्रमांक 132, सीधी विधायक रीती पाठक सीधी, धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम बूथ क्रमांक 164, सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक बूथ क्रमांक 241, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू रामजी सिंह सिहावल, जनपद पंचायत अध्यक्ष धर्मेंद्र परिहार सीधी में प्रात काल से ही घर-घर सदस्यता अभियान चलाकर प्रत्येक बूथ पर सौ से अधिक सदस्यता का लक्ष्य पूरा किया।

महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी में क्लास रूम में घुसा बंदर

पढ़ाई कर रहे छात्र के सिर पर बैठा, बैग से पेन निकाला

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर के महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में बुधवार दोपहर एक बंदर क्लासरूम में घुस गया। बंदर एक छात्र के सिर पर बैठा। बैग से पेन निकालकर चबाया और उसे तोड़ दिया। करीब आधे घंटे क्लासरूम में अफरा-तफरी मची रही।

क्लासरूम में बैठे छात्रों ने बताया कि दोपहर में वे क्लास में पढ़ाई कर रहे थे। इसी दौरान अचानक कहीं से बंदर आया और भीतर घुस गया। बंदर एक टेबल से दूसरे टेबल पर उछल कूद करता रहा। एक छात्र के सिर पर बैठ गया। बैग से पेन निकाला और उसे बचाने लगा। कुछ देर तक ऐसा करने के बाद उसने पेन को तोड़कर फेंक दिया। उन्होंने बताया कि बड़ी मुश्किल से स्टाफ के साथ मिलकर उसे कमरे से बाहर निकाला। बंदर ने किसी भी छात्र को नुकसान नहीं पहुंचाया। उनका कहना है कि बंदर बजरंगबली का रूप है, इसलिए उसने हमें कोई नुकसान नहीं पहुंचाया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अध्यक्ष जनार्दन पटना ने बताया कि इस प्रकार की अवस्थाओं को लेकर हम कई बार विश्वविद्यालय सचिव से शिकायत कर चुके हैं। इस बार अगर विश्वविद्यालय परिसर के द्वारा ठोस कदम नहीं उठाया गया तो हम इसकी शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से की जाएगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव यशवंत पटेल ने बताया कि वायरल वीडियो की जानकारी मिली है। इस संबंध में वन विभाग के अधिकारियों से बात की जाएगी।

प्रधानमंत्री कॉलेज आफएक्सीलेंस में नया कोर्स ''बी.कॉम. इन रिटेल ऑपरेशन मैनेजमेंट'' चालू किया जा रहा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में नया कोर्स ''बी.कॉम. इन रिटेल ऑपरेशन मैनेजमेंट'' चालू किया जा रहा है जिसके लिए महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की काउंसलिंग प्राचार्य डॉ. पी .के. सिंह, सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र डॉ. गुलशेर अहमद, सहायक प्राध्यापक जंतु विज्ञान डॉ. राम सुरेश भारती तथा सहायक प्राध्यापक रसायन विज्ञान डॉ. सिद्धार्थ कुमार वर्मा द्वारा की गई। "बी.कॉम. इन रिटेल ऑपरेशन मैनेजमेंटष् के संबंध में बताया गया कि यह कोर्स प्लेसमेंट आधारित कोर्स है। आज के दौर में जब रोजगार के अवसर कम है तब यह कोर्स रोजगार प्राप्त करने भविष्य में सहायक होगा। "बी.कॉम. इन रिटेल ऑपरेशन मैनेजमेंटष् 3 वर्षीय पाठ्यक्रम है जो महाविद्यालय की जनभागीदारी मद से चलाया जाएगा। कोर्स उपरांत जॉब प्लेसमेंट शतप्रतिशत होगा।

महाविद्यालय में चलाया गया एड्स जागरूकता अभियान: उपरोक्त के साथ-साथ महाविद्यालय में एड्स जागरूकता अभियान जिला चिकित्सालय सीधी के आई.सी.टी. एस. काउंसलर जरीना बेगम के माध्यम से चलाया गया, जिसमें उनके द्वारा एड्स से संबंधित उपयोगी जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान की गई।

महाविद्यालय में स्वच्छता के संबंध में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह ने बताया कि महाविद्यालय विद्या का मंदिर है जिस प्रकार हम मंदिर में और मंदिर के आसपास किसी प्रकार की गंदगी या कचरा करने से बचते हैं उसी प्रकार महाविद्यालय को भी एक मंदिर मानकर इसको स्वच्छ बनाए रखने में छात्र-छात्राएं आवश्यक सहयोग प्रदाय करते रहें।

बहू ने ससुर पर टांगी से हमला किया

गंभीर हालत में रीवा रेफर, मड़वास के डोंगहा ग्राम की घटना

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी में पारिवारिक विवाद में बहू ने ससुर पर टांगी से हमला कर दिया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राथमिक इलाज के बाद उसे रीवा रेफर किया गया है। घटना बुधवार मड़वास चौकी के ग्राम डोंगहा की है।

घायल के छोटे बेटे सौखी सिंह ने बताया कि पारिवारिक विवाद में मुन्नी सिंह ने घर में रहे मेरे पिता राम मिलन सिंह (80) पर हमला कर दिया। इसके बाद हम उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल लाए हैं। यहां से उन्हें हाथ में गंभीर चोट होने पर रीवा लेकर जा रहे हैं।

मड़वास चौकी प्रभारी ने कहा कि घटना के बारे मे जानकारी प्राप्त हुई थी। लेकिन अभी शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। रिपोर्ट होने पर कार्रवाई होगी।

शासकीय उचित मूल्य दुकानों से मिल रहा फोर्टिफाइड चावल एवं नमक

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला आपूर्ति अधिकारी ने जिले के सभी शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से राशन प्राप्त करने वाले लाभार्थियों को सूचित किया है कि वर्तमान में शासन द्वारा फोर्टीफाइड चावल (आयरन, विटामिन बी-12 एवं फॉलिक एसिड युक्त) एवं वन्या प्लस डबल फोर्टीफाइड नमक (आयोडीन एवं आयरन युक्त) का वितरण किया जा रहा है, जिसके सेवन से खून की कमी दूर होती है।

फोर्टीफाइड चावल जनवरी 2023 से मध्यप्रदेश के सभी जिलों में वितरित किया जा रहा है। चावल को फोर्टीफाइड करने के लिए सामान्य चावल में अयरन, विटामिन बी-12 एवं फॉलिक एसिड युक्त फोर्टीफाइड चावल के दाने 1 प्रतिशत की मात्रा में मतलब 100 किलोग्राम सामान्य चावल में 01 किलोग्राम फोर्टीफाइड चावल के दाने मिलाये जाते हैं।

फोर्टीफाइड चावल के दाने सामान्य चावल की तरह ही दिखते है। फोर्टीफाइड चावल के दाने पकाते या धोते समय अलग से दिखे तो इन चावल को अलग न करें एवं इनका सामान्य चावल की तरह सेवन करें। कृपया ध्यान रखे यह प्लास्टिक चावल नहीं है बल्कि पोषण युक्त चावल है, अतः मिथ भ्रमक जानकारी से बचें।

इसी प्रकार आयोडीन एवं आयरन युक्त फोर्टीफाइड नमक (वन्या प्लस) नाम से मध्यप्रदेश के 33 जिलों की शासकीय उचित मूल्य दुकानों से 1 रूपये प्रति किलोग्राम की दर से प्रदाय किया जा रहा है। आमजन में यह भ्रम है कि उक्त डबल फोर्टीफाइड नमक में काले बारीक कण पाये गये है जो कि वास्तविकता में आयरन के कण हैं, इसके सेवन से खून की कमी या एनीमिया दूर होती हैं। फिर भी यदि किसी हितग्राही को कोई अन्य सवाल हो या जानकारी चाहिए हो तो अपने ग्राम की शासकीय उचित मूल्य दुकान के विक्रेताओं से सम्पर्क कर सकते है।

जैतहरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

अवैध रेत उत्खनन करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार, चार ट्रैक्टर जब्त

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। जैतहरी थाना पुलिस ने अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। थाना प्रभारी आरके धारिया ने जानकारी दी कि 24 सितंबर की रात को ग्राम सिवनी स्थित तिपान नदी के बर घाट से कुछ ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के जरिए अवैध रेत उत्खनन और परिवहन किए जाने की सूचना मिली थी। इस पर कार्रवाई करते हुए जैतहरी पुलिस ने मौके पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान पुलिस ने चार ट्रैक्टरों को जब्त किया और चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने चार आरोपियों को भी पकड़ा, जिसमें रामपाल केवट (35 वर्ष) निवासी पौड़ी थाना भालूमाड़ा, कुलबीर राठौर (46 वर्ष) निवासी सिवनी जैतहरी, लच्छू उर्फ लक्ष्मण सिंह राठौर (48 वर्ष) निवासी सिवनी, और संजू केवट (28 वर्ष) निवासी पौड़ी चौड़ी, भालूमाड़ा शामिल हैं। सभी आरोपियों को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। उनके खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

पुलिस ने चारों ट्रैक्टर-ट्राली को भी जब्त कर लिया है, जो अवैध रेत परिवहन के लिए इस्तेमाल किए जा रहे थे। इस कार्रवाई के बाद अवैध रेत उत्खनन करने वालों में हड़कंप मच गया है, और पुलिस ने इस मामले में और भी लोगों की संलिप्तता की जांच शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी आरके धारिया ने बताया कि यह कार्रवाई अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ जारी मुहिम का हिस्सा है। अवैध खनन से पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंच रहा है, और इसे रोकने के लिए पुलिस सख्त कदम उठा रही है। आरोपियों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

यातायात पुलिस की बड़ी कार्यवाही

रेत का अवैध परिवहन कर रहे 15 ट्रैक्टर ट्राली किए गए जब्त

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पन्ना में केन नदी से चल रहे रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन पर जिला यातायात पुलिस ने बड़ी कार्यवाही की। जिसमें बुधवार को यातायात प्रभारी नीलम लक्षकार ने अपनी टीम के साथ पन्ना अजयगढ़ मार्ग से 15 ट्रैक्टर ट्रॉली जप्त कर लिए हैं। सभी ट्रैक्टर ट्रॉली सिविल लाइन चौकी पुलिस को सौंपे गए। वहीं आगे की कार्यवाही के लिए खनिज विभाग को पत्र लिखा गया।

थाना प्रभारी ने बताया कि, उक्त ट्रैक्टर चालकों से रेत के परिवहन संबंधित कागजात मांगे गए।लेकिन जरूरी दस्तावेज नहीं पाए जाने पर कार्यवाही की गई है।

विचार

केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान ने किया है आम की नई प्रजातियों का विकास

फलों के राजा आम का कुनबा और समृद्ध होगा। आम की एक नई प्रजाति अवध समृद्धि शीघ्र रिलीज होगी। एक अन्य प्रजाति अवध मधुरिमा भी रिलीज होने की पाइप लाइन में है। इन दोनों प्रजातियों का विकास केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईएसएच) रहमानखेडा, लखनऊ ने किया है। केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के निदेशक डॉ. टी. दामोदरन के अनुसार अवध समृद्धि नियमित फलत देने वाली एवं जलवायु लचीली संकर प्रजाति है। रंगीन होना इसके आकर्षण को और बढ़ा देता है। एक फल का वजन करीब 300 ग्राम का होता है। पेड़ की साइज मीडियम होती है। यह प्रजाति सघन बागवानी के लिए उपयुक्त है। 15 साल के पेड़ की ऊंचाई करीब 15 से 20 फीट होती है। इसलिए इसका प्रबंधन भी आसान होता है। इसके पकने का सीजन जुलाई अगस्त होता है। अवध समृद्धि का फील्ड ट्रायल चल रहा है। उम्मीद है कि यह शीघ्र ही रिलीज हो जाएगी। अवध मधुरिमा का फील्ड में ट्रायल चल रहा है। इसको प्रदेश में रिलीज होने में थोड़ा समय लग सकता है। स्वाभाविक है कि इन दोनों प्रजातियों का सर्वाधिक लाभ भी उत्तर प्रदेश को मिलेगा। क्योंकि आम का सर्वाधिक उत्पादन भी उत्तर प्रदेश में ही होता है। आकर्षक रंग, एवरेज साइज और अधिक दिनों तक भंडारण योग्य होने के नाते इनके निर्यात की संभावना भी अधिक है। अमेरिका सहित यूरोपियन बाजार में आम की रंगीन किस्में अधिक पसंद की जाती हैं। स्थानीय बाजारों में भी तुलनात्मक रूप से इनके दाम बेहतर मिलते हैं। संयोग से हाल के कुछ वर्षों में सीआईएसएच ने जिन चार प्रजातियों का विकास किया है, वे सभी रंगीन हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा भी उत्तर प्रदेश को कृषि उत्पादों के एक्सपोर्ट का हब बनाने की है। उत्पाद कम समय में एक्सपोर्ट सेंटर तक पहुंचे इसके मद्देनजर एक्सप्रेस वे का संजाल बिछाया जा रहा है। पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे चालू हो चुकी हैं। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे का काम भी लगभग पूरा है। मुख्यमंत्री का साफ निर्देश है कि महाकुंभ के पहले मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने वाले गंगा एक्सप्रेस वे का काम पूरा हो जाय। इसी क्रम में सरकार जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एक्सपोर्ट के हब के रूप में विकसित करने जा रही है। चूंकि अमेरिका और यूरोप के देशों में कृषि उत्पादों के मानक बेहद कठिन हैं। इसके लिए भी योगी सरकार यहां जरूरी संरचना तैयार करने जा रही है। भविष्य में यह काम अयोध्या और कुशीनगर इंटरनेशन एयरपोर्ट से भी संभव है।

योग एवं योग-निद्रा के चमत्कारी प्रभाव से वैज्ञानिक सहमत

ललित गर्ग

विश्व में भारतीय योग की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है, योग के चमत्कारी प्रभावों को अब विज्ञान भी स्वीकारने लगा है। अमेरिका, यूरोप व खासकर चीन में योग को लेकर बड़े शोध किए जा रहे हैं। कुछ समय पहले नोबेल पुरस्कार के समानित एक अमेरिकी न्यूरो सर्जन ने माना था कि प्राणायाम मानसिक रोगों के उपचार में सबसे ज्यादा प्रभावी है। हाल ही में आईआईटी व एस दिल्ली द्वारा एमआरआई के जरिये कराये गए एक अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई कि योग निद्रा से न केवल नींद की गुणवाा बढ़ती है बल्कि मन के भटकाव को रोककर नींद को भी नियंत्रित किया जा सकता है।

योग अनेक असाध्य बीमारियों को नियंत्रित करने में मददगार साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार को देश-विदेश में योग को प्रतिष्ठित करने तथा एलोपैथी व अन्य भारतीय चिकित्सा विधाओं में समन्वय की दिशा में सार्थक पहल करने का श्रेय दिया जाना चाहिए। उनके प्रयत्नों से भारतीय योग एवं ध्यान के माध्यम से भारत दुनिया में गुरु का दर्जा एवं एक अनूठी पहचान हासिल करने में सफल हो रहा है।

आज हर व्यक्ति एवं परिवार अपने दैनिक जीवन में अत्यधिक तनाव/दबाव एवं अनिद्रा महसूस कर रहा है। हर आदमी संदेह, अंतर्द्वंद्व और मानसिक उथल-पुथल की जिंदगी जी रहा है। मनुष्य के सम्मुख जीवन का संकट खड़ा है। मानसिक संतुलन अस्त-व्यस्त हो रहा है। मानसिक संतुलन का अर्थ है विभिन्न परिस्थितियों में तालमेल स्थापित करना, जिसका सशक्त एवं प्रभावी माध्यम योग ही है। योग एक ऐसी तकनीक है, एक विज्ञान है जो हमारे शरीर, मन, विचार एवं आत्मा को स्वस्थ करती है। यह हमारे तनाव एवं कुंठा को दूर करती है। जब हम योग करते हैं, श्वासों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, प्राणायाम और कसरत करते हैं तो यह सब हमारे शरीर और मन को भीतर से खुश और प्रफुल्लित रहने के लिये प्रेरित करती है। नये शोध से तथ्य सामने आया है कि नियमित योग व ध्यान करने वाले प्रतिभागियों की नींद को नियंत्रित करने की क्षमता सामान्य प्रतिभागियों से अधिक पायी गई। इस नये वैज्ञानिक शोध में ऐसे कई महत्वपूर्ण खुलासे हुए। निस्संदेह, जिन लोगों को कई तरह के मनोकायिक रोग होते हैं, उनके लिये योग निद्रा रामबाण सिद्ध हो सकती है। यही वजह है कि अमेरिका व आस्ट्रेलिया आदि देशों में व्यावसायिक तनाव कम करने हेतु योग निद्रा पर जोर दिया जाता है। दिल्ली में हुए शोध में योग निद्रा से चेतना के उच्चतम स्तर को हासिल करने के तथ्य को भी स्वीकारा गया। शोधकर्ताओं ने माना कि योग निद्रा के जरिये गहरे अवचेतन मन में दबी कुंठाओं को मानसिक सतह पर लाकर, कालांतर उनसे मुक्ति में मदद मिलती है। जिससे व्यक्ति की सेहत में सुधार होता है। पिछले दिनों कनाडा के ओंटेरियो यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन के अनुसार कुंठा और तनाव के लगभग 64 प्रतिशत मरीजों ने माना कि उन्हें इस बात का अंदाज नहीं था कि उनकी खास बीमारी की वजह अंदर दबा गुस्सा हो सकता है। यह गुस्सा दूसरों की वजह से शुरू होता है और अंतत: इसे आप अपने ऊपर निकालने लगते हैं। कुछ मामलों में मरीजों ने अपने आपको नुकसान भी पहुंचाया।

विज्ञान ने यह प्रमाणित कर दिया है- जो व्यक्ति स्वस्थ रहना चाहता है, उसे योग को अपनाना होगा। बार-बार क्रोध करना, चिड़चिड़ापन आना, नींद न आना, मूड का बिगड़ते रहना- ये सारे भाव हमारी समस्याओं से लड़ने की शक्ति को प्रतिहत करते हैं। इनसे ग्रस्त व्यक्ति बहुत जल्दी बीमार पड़ जाता है। हमें अपनी भीतरी योग्यताओं और क्षमताओं को किसी दायरे में बांधने से बचना होगा। ऐसा तब होगा, जब हम योग को अपनी जीवनशैली बनायेंगे। हमारी हजारों साल के योग की विरासत की सार्थकता निर्विवाद है। लेकिन प्रगतिशील कहे जाने वाले एक तबके का तर्क होता है कि योग को विज्ञान की कसौटी पर कसा जाए। इसी के मध्यनजर तरह-तरह के शोध एवं अनुंसधान योग को लेकर हो रहे हैं, अब आईआईटी व एम्स दिल्ली के शोध में यह बात सामने आयी है कि योग से आराम के गहरे अहसास होते हैं। दरअसल, योग निद्रा सोने और जागने के बीच एक सचेतन अवस्था है। जिसका उपयोग योगी ध्यान साधना के लिये करते रहे हैं। योग निद्रा की मानसिक सेहत के लिये उपयोगिता निर्विवाद रही है। शोध के दौरान बनाये गए दो समूहों में से नियमित योग करने वाले समूह के लोगों के मस्तिष्क के पैटर्न के तुलनात्मक अध्ययन से पता चला कि योग निद्रा हमारे मस्तिष्क को कैसे नियंत्रित करती है। योगी बताते हैं कि कुछ मिनटों की योग निद्रा कई घंटे की सामान्य नींद के मुकाबले ज्यादा आराम देने वाली होती है। व्यक्ति धीरे-धीरे योग निद्रा की अवधि बढ़ाकर बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकता है। वहीं यह हमारे ध्यान को गहरा बनाने में भी मददगार साबित हो सकती है।

अभी कुछ दिन पहले ही एक बात समाचारपत्रों में पढ़ी कि कैंसर क्यों होता है, इसके कई कारण हैं। एक कारण यह है कि जो लोग मस्तिष्क का सही उपयोग करना नहीं जानते उनके कैंसर हो सकता है। मस्तिष्क विज्ञानी तो यह भी कहते हैं कि मस्तिष्क की शक्तियों का केवल चार या पांच प्रतिशत उपयोग आदमी करता है, शेष शक्तियां सुप्त पड़ी रहती है। यह भी कहा जाता है कि कोई मस्तिष्क की शक्तियों का उपयोग सात या आठ प्रतिशत करने में समर्थ हो जाए तो वह दुनिया का सुपर जीनियस बन सकता है। इस आधार पर तो हम यही कह सकते हैं कि हम अपने मस्तिष्क का सही और पूरा उपयोग करना नहीं जानते। चाहे कर्म का क्षेत्र हो या धर्म का क्षेत्र हो, दोनों में हम पिछड़े हुए हैं। सबसे पहले हमारी जानकारी मस्तिष्क विद्या के बारे में होनी चाहिए। योग विद्या भारत की सबसे प्राचीन विद्या है। योगविद्या के आचार्यों ने मस्तिष्क विद्या से दुनिया का परिचय कराया था।

बहुत सारी शारीरिक एवं मानसिक समस्याएं अज्ञान के कारण पैदा होती हैं। शरीर और उसके विभिन्न अवयवों के बारे में जानकारी के अभाव में आदमी के सामने अनेक शारीरिक कठिनाइयां खड़ी हो जाती हैं। हमारे मस्तिष्क में एक पर्त है एनीमल ब्रेन की। वह पर्त सक्रिय होती है तो आदमी का व्यवहार पशुवत हो जाता है। जितने भी हिंसक और नकारात्मक भाव हैं, वे इसी एनीमल ब्रेन की सक्रियता का परिणाम है। इसे संतुलित करने का माध्यम योग है। शारीरिक, मानसिक और अध्यात्मिक शांति एवं स्वस्थ्यता के लिये योग की एकमात्र रास्ता है। लेकिन भोगवादी युग में योग का इतिहास समय की अनंत गहराइयों में छुप गया है। वैसे कुछ लोग यह भी मानते हैं कि योग विज्ञान वेदों से भी प्राचीन है। दुनिया में भारतीय योग को परचम फहराने वाले स्वामी विवेकानंद कहते हैं- ''निर्मल हृदय ही सत्य के प्रतिबिम्ब के लिए सर्वोत्तम दर्पण है। इसलिए सारी साधना हृदय को निर्मल करने के लिए ही है। जब वह निर्मल हो जाता है तो सारे सत्य उसी क्षण उसमें प्रतिबिम्बित हो जाते हैं।... पावित्र्य के बिना आध्यात्मिक शक्ति नहीं आ सकती। अपवित्र कल्पना उतनी ही बुरी है, जितना अपवित्र कार्य।'' आज विश्व में जो आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, साम्प्रदायिक विद्वेष की ज्वलंत समस्याएं खड़ी है, उसका कारण भी योग का अभाव ही है।

हम जितना ध्यान रोगों को ठीक करने में देते हैं, उतना उनसे बचने में नहीं देते। दवा पर जितना भरोसा रखते हैं, उतना भोजन, संतुलित जीवन एवं श्वासों पर नहीं रखते। यही कारण है रोग पीछा नहीं छोड़ते। योग एवं ध्यान एक ऐसी विधा है जो हमें भीड़ से हटाकर स्वयं की श्रेष्ठताओं से पहचान कराती है। हममें स्वयं पुरुषार्थ करने का जज्बा जगाती है। स्वयं की कमियों से रू-ब-रू होने को प्रेरित करती है। स्वयं से स्वयं का साक्षात्कार कराती है। आज जरूरत है कि हम अपनी समस्याओं के समाधान के लिये औरों के मुंहताज न बने। ऐसी कोई समस्या नहीं है जिसका समाधान हमारे भीतर से न मिले। हमारे भीतर ऐसी शक्तियां हैं, जो हमें बचा सकती हैं। योग, संकल्प एवं संयम की शक्ति बहुत बड़ी शक्ति है।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी पं. दीनदयाल जी को विनम्र श्रद्धांजलि!

डॉ. राकेश मिश्र

पं. दीनदयाल उपाध्याय जी का नाम लेते ही एक ऐसे व्यक्ति का स्मरण हो आता है, जिनका व्यक्तित्व विराट और संपूर्ण जीवन समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित रहा। दूरदर्शी सोच, समदर्शी सिद्धांत, उत्कृष्ट चिंतन और राष्ट्र के लिए त्याग का ही दूसरा नाम पं. दीनदयाल उपाध्याय है। भारत की धरती पर महामानव के रूप में अवतरित पं. दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्र के सजग प्रहरी व सच्चे राष्ट्र भक्त के रूप में भारतवासियों के प्रेरणास्त्रोत रहे हैं और रहेंगे। राष्ट्र की सेवा में सतत समर्पित दीनदयालजी भारत को सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और शैक्षिक क्षेत्र में शिखर पर देखना चाहते थे। वे एक ऐसी राजनीतिक विचारधारा के सूत्रधार थे, जिसमें राजनीति और सरकार, सेवा का साधन हो।

राजनीति में कथनी और करनी में अंतर न रखने वाले इस महामानव ने भारतीय संस्कृति के प्रति अपनी गहरी आस्था बनाए रखी। व्यक्तिगत तथा राजनीतिक जीवन में भी सिद्धान्त और व्यवहार में समानता रखने वाले इस महान व्यक्तित्व को भी काफी विरोधों का सामना करना पड़ा। लेकिन, राष्ट्रभक्ति जिनका ध्येय हो, समाज का कल्याण जिनका चिंतन हो और ईमानदारी जिसका चरित्र हो, उसे कोई भी ताकत उसके उद्देश्यों से डिगा नहीं सकता है। आज सुखद अनुभूति हो रही है कि उन्होंने जिस भारत का सपना देखा था, उसे भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी साकार कर रहे हैं। भारतीय राजनीति के महामानव अजातशत्रु पं. दीनदयाल उपाध्याय जी ने एकात्म मानववाद की अवधारणा को प्रस्तुत किया। भारतीय जनसंघ के निर्माता पं. दीनदयाल जी का उद्देश्य स्वतंत्रता की पुनर्रचना के प्रयासों के लिए विशुद्ध भारतीय तत्वदृष्टि प्रदान करना था। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए उन्होंने देश को एकात्म मानववाद जैसी विचारधारा दी। उनका मानना था कि आर्थिक विकास का मुख्य उद्देश्य सामान्य मानव का सुख है। एकात्म मानववाद की अवधारणा पर आधारित राजनीतिक दर्शन भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी की देन है। इनके अनुसार एकात्म मानववाद मनुष्य के शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का एकीकृत कार्यक्रम है। भारत में स्वतंत्रता से पूर्व जितने भी आंदोलन हुए उसका एकमात्र ध्येय था स्वतंत्रता की प्राप्ति। लेकिन, स्वतंत्रता मिलने के बाद हमारी दिशा क्या होगी? हम किस मार्ग से अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ प्राप्त कर सकेंगे? कौन सा ऐसा विचार होगा जो हमारे समेकित उन्नयन में सहायक होगा? किस सिद्धांत का निरूपण कर हम व्यष्टि से समष्टि के रूप में अपनी खोई गरिमा प्राप्त कर सकेंगे? क्या होगा वह दर्शन जिसके माध्यम से हम अपनी अधुनातन आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु प्रेरित हों एवं साथ ही अपनी महान संस्कृति को भी अक्षुण्ण रख सकें? इसका विचार नहीं किया गया।

कई लोगों ने अलग अलग विचार कर अपना सिद्धांत प्रस्तुत किया था, लेकिन उन सब पर जितना गंभीर चिंतन होना चाहिए था वह नहीं हो पाया था। ऐसी दिशाहीनता की स्थिति में, समाजवाद, साम्यवाद, पूंजीवाद, उदारवाद, व्यक्तिवाद आदि आयातित वादों से मुक्त होकर एकात्म मानववाद का प्रतिपादन पं.दीनदयाल उपाध्याय ने किया। उन्होंने आधुनिक राजनीति, अर्थव्यवस्था तथा समाज रचना के लिए एक विचार प्रस्तुत किया। एक ऐसा विचार जिस पर खड़े होकर हम गौरवान्वित महसूस कर सकें।

पं. दीनदयाल जी ने बुद्धि, व्यक्ति और समाज, स्वदेश और स्वमधर्म, परंपरा तथा संस्कृति जैसे गूढ़ विषयों का चिंतन, मनन एवं गंभीर अध्ययन कर उपरोक्त सिद्धांत का निरूपण किया। जनसंघ के सिद्धांतों एवं नीतियों की रचना की और उन्हीं के शब्दों में विदेशी धारणाओं के प्रतिबिंब पर आधारित मानव संबंधी अपुष्ट विचारों के मुकाबले, विशुद्ध भारतीय विचारों पर आधारित मानव कल्याण का संपूर्ण विचार करके एकात्म मानववाद के रूप में नये सिरे से सूत्रबद्ध किया। इसमें भारतीय संस्कृति की इस विशेषता से अपने को एकाकार किया कि वह संपूर्ण जीवन और संपूर्ण सृष्टि का संकलित विचार का दृष्टिकोण एकात्मवादी है। यह एकात्म विचार न केवल संपूर्ण समाज, सृष्टि या संस्कृति के साथ किया गया, वरन् समाज की इकाई के रूप में व्यक्ति समेकित उन्नयन का भी दर्शन प्रस्तुत करता है यह सिद्धांत। एकात्म मानववाद इस शास्त्रीय अवधारणा पर आधारित है कि व्यक्ति मन, बुद्धि, आत्मा एवं शरीर का एक समुच्चय है। एकात्म मानव दर्शन के आधार पर नरेंद्र मोदी जी देश को सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान दे रहे हैं। पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद को आधार बना अंत्योदय को लक्ष्य बनाते हुए श्री नरेंद्र मोदी की सरकार हर कार्य गरीब से गरीब व्यक्ति के उत्थान एवं विकास के लिए कर रही है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा में लाने के लिए मोदी सरकार ने योजनाओं और कार्यक्रमों को धरातल पर उतारा है। युवाओं के कौशल विकास, महिलाओं का सशक्तिकरण और शासन में पारदर्शिता के साथ ही ईमानदार सरकार देश को मिला है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय कहते थे कि जब तक हम समाज के गरीब-से-गरीब व्यक्ति तक विकास नहीं पहुंचाते, तब तक देश की स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं। गत आठ वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार ने भी अपनी योजनाओं में इसी बात का ध्यान रखा है और अंत्योदय की विचारधारा को साकार करके दिखाया है। यही कारण है कि नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यों का सबसे ज्यादा लाभ गरीबों को मिल रहा है। जनधन योजना ने देश के गरीबों को देश की अर्थव्यवस्था से जोड़ा है तो आयुष्मान भारत में गरीबों के स्वास्थ्य की चिंता की गई है। सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरे संसार के लिए नरेंद्र मोदी एक उम्मीद बन चुके हैं।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर

मद्य निषेध सप्ताह 02 अक्टूबर से 08 अक्टूबर तक नशा मुक्ति हेतु जागरूकता अभियान

एमसीबी/25 सितम्बर 2024/ छत्तीसगढ़ समाज कल्याण संचालनालय द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 02 अक्टूबर से 08 अक्टूबर 2024 तक मद्य निषेध सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस सप्ताह के दौरान मद्यपान एवं अन्य मादक द्रव्यों/पदार्थों तथा नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम हेतु समुदाय में व्यापक जनमत विकसित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें ग्राम पंचायत स्तर पर गठित भारत माता वाहिनी के सहयोग से नशामुक्ति कार्यक्रमों के अंतर्गत जन जागरूकता का विकास करना

प्रमुख है। नशामुक्ति के पक्ष में व्यापक जनमत विकसित करने हेतु रैली, नुक्कड़ सभाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मानव श्रृंखला, नशापान न करने का संकल्प एवं शपथ, होर्डिंग्स की स्थापना, शैक्षणिक संस्थानों में चित्रकला, भाषण, गीत, नाटक आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। नशामुक्ति स्लोगन का दीवार लेखन और नशापीड़ित व्यक्तियों से प्रत्यक्ष संवाद कर दुष्परिणामों की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही नशा मुक्ति पर आधारित ब्रोशर, पम्पलेट, साहित्य का वितरण किया जाएगा और प्रचार रथ एवं एलईडी टीवी के माध्यम से नशापान के दुष्परिणामों का प्रदर्शन एवं प्रसारण किया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट एवं सोशल मीडिया के माध्यम से भी इस विषय का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। नशा मुक्ति संबंधी कार्यक्रमों को पोर्टल पर अपलोड कराना अनिवार्य है। नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, अन्य शैक्षणिक संस्थान, सार्वजनिक स्थल एवं विभिन्न समारोहों में नशा मुक्ति पर केंद्रित प्रभावी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि नशापान की प्रवृत्ति को हतोत्साहित किया जा सके और नशा मुक्ति के प्रति सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो सके। इसके अतिरिक्त, योगाभ्यास विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में नशा मुक्ति हेतु योग का प्रदर्शन आवश्यकतानुसार किया जा सकता है। कृपया तदनुसार मद्य निषेध सप्ताह का आयोजन सुनिश्चित करें एवं आयोजन पश्चात् प्रतिवेदन जिला कार्यालय समाज कल्याण को प्रस्तुत करें।

युवा नेता शिवांश जिले के 10 कार्यालय की मांग के लिए कलेक्टर एमसीबी से की मलाकात

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। जिले के गठन हुए 2 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं जिले में चिरमिरी का नाम जोड़ने के साथ चिरमिरी को जिले का उचित हक मिल सके यह शुरू से ही यह कांग्रेस जनों का प्रयास था, जिसके लिए पूर्व में भी उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री प्रभारी मंत्री एवं विधायक से जिला अस्पताल एवं 10 कार्यालय की मांग की थी एवं उसमें जिला अस्पताल उद्यानकी महाविद्यालय और पॉलिटेक्निक कॉलेज की घोषणा भी हो चुकी थी, पॉलिटेक्निक कॉलेज उद्यान की महाविद्यालय का अस्थाई लोकार्पण भी हो चूका है परंतु जिला अस्पताल में काफी विलंब हो रहा है जो की सबसे प्रमुख मांग है इसके साथ ही 10 अन्य कार्यालय भी चिरमिरी में बने जिससे चिरमिरी शहर का अस्तित्व और स्थायित्व बढ़ सके शहर का विकास हो सके इसके लिए भी शिवांश जैन एवं उनके पार्षद साथी काफी प्रयास कर रहे हैं!

गौरतलब है कि शिवांश जैन हमेशा चिरमिरी विकास के लिए एवं समस्याओं के निराकरण प्रति उचित प्रयास करते रहते है। ज्ञापन देने के दौरान शिवांश जैन के साथ पार्षद रज्जाक खान, अजय बघेल, प्रताप चौहान, राय सिंह, इंद्रजीत सिंह छाबड़ा शहाबुद्दीन, अशरफ अली उपस्थित रहे।

आपदा राहत के तहत मृतको के परिजनों को 4-4 लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नया रायपुर द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 में संशोधित प्रावधान के अनुसार, राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) के परिशिष्ट-1 की कंडिका-5 के तहत प्राकृतिक आपदा राहत के अंतर्गत आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत करने का प्रावधान किया गया है। इसके तहत, भरतपुर तहसील के ग्राम पतवाही निवासी कुमारी पूनम बैगा की कुएं में डूबने से हुई मृत्यु पर उनके माता सविता बैगा और पिता राजू बैगा को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार, भरतपुर तहसील के ग्राम पंचायत बेला निवासी स्व0 महादेव भुर्तिया की मृत्यु कुएं में डूबने से हो गया था जिसकी पत्नी कुसुम को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से अशोक बैगा के सपनों को मिला नया आयाम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। हर इंसान का जीवन एक संघर्षमय यात्रा होती है। परंतु कुछ लोग अपने दृढ़ संकल्प और कठोर परिश्रम से उस यात्रा को सफल बनाते हैं। उनकी कहानी उन लोगों के लिए प्रेरणा बन जाती है जो कठिनाइयों से हार मानने के बजाय उनका सामना करने के लिए तैयार रहते हैं। ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी है छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत बुलाकीटोला के निवासी अशोक बैगा की, जिन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अपने जीवन की दिशा बदल दी। गरीबी और अभावों से भरी जिंदगी जीने वाले अशोक बैगा के लिए पक्का घर बनाना एक सपना था। यह सपना तब साकार हुआ जब '' प्रधानमंत्री आवास योजना'' के माध्यम से उन्हें अपने घर का मालिक बनने का अवसर मिला।

अशोक बैगा की कठिनाइयों से भरी रही शुरुवाती जिन्दगी: अशोक बैगा का जीवन एक साधारण ग्रामीण व्यक्ति का जीवन था, जहां वह रोजी-मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय थी। उनके पास जो घर था, वह भी कच्चा और छानी (घास और मिट्टी की छत) वाला था, जो न तो सुरक्षित था और न ही मौसम की मार झेलने के लिए सक्षम था। अशोक बैगा के परिवार को सबसे ज्यादा परेशानियां मानसून और सर्दियों के मौसम में होती थीं। जब बारिश होती, तो घर की छत से पानी टपकने लगता और पूरे घर में नमी और सीलन फैल जाती थी। ऐसे में घर में रहना बेहद मुश्किल हो जाता था। बरसात के मौसम में बच्चों को ठंड और बुखार जैसी बीमारियों का सामना करना पड़ता था। गरीबी के कारण उन्हें दवाइयां खरीदने में भी दिक्कत परेशानी होती थी। अशोक बैगा ने बताया कि जब उनके बच्चे बीमार हो जाते थे, तो उन्हें अस्पताल ले जाना और उनके इलाज का खर्च उठाना उनके लिए बहुत बड़ी चुनौती बन जाती थी। ऐसे में कई बार वे खुद को बहुत असहाय महसूस करते थे। वह चाहते थे कि उनका परिवार सुरक्षित और स्वस्थ माहौल में रहे, लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं देती थी। अशोक बैगा के पास रोजी-मजदूरी के अलावा और कोई साधन नहीं था। वह दिन-रात मेहनत करके अपने परिवार की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने की कोशिश करते थे। लेकिन इतने कम आय में घर का खर्चा चलाना और मकान की मरम्मत करवाना संभव था। उनके लिए यह स्थिति बहुत ही निराशाजनक थी। वह हमेशा इस सोच में रहते थे कि उनका परिवार कब तक इसी तरह संघर्ष करता रहेगा। एक पक्के मकान का सपना उनकी आंखों में जरूर था, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण वह इसे पूरा नहीं कर पा रहे थे। उनके पास न तो पर्याप्त साधन थे और न ही किसी प्रकार की सहायता जिससे वे इस सपने को हकीकत में बदल पाते।

अशोक बैगा को ''प्रधानमंत्री आवास योजना'' से एक नई जिन्दगी: इसी बीच अशोक बैगा को ''प्रधानमंत्री आवास योजना'' की जानकारी तब मिली जब उनके गांव में इसके बारे में प्रचार-प्रसार हुआ। उन्होंने तुरंत योजना के तहत आवेदन किया। उनके जीवन में असली बदलाव तब आया जब उनका नाम ''प्रधानमंत्री आवास योजना'' के तहत सूची में आया। इस योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की गई, अशोक बैगा का नाम जब सूची में आया, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। यह उनके लिए एक सपने के साकार होने जैसा था। उन्होंने सोचा नहीं था कि वह कभी भी अपने जीवन में पक्का मकान बना पाएंगे, लेकिन अब यह सपना सच हो सकता था। ''प्रधानमंत्री आवास योजना'' के तहत मिली आर्थिक सहायता से अशोक बैगा ने अपने परिवार के साथ मिलकर पक्के मकान के निर्माण की योजना बनाई। यह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण था। उन्होंने अपनी पत्नी और बच्चों के साथ मिलकर मेहनत से घर बनाने का काम शुरू किया। उन्होंने स्थानीय सामग्री का भी इस्तेमाल किया, जिससे घर बनाने में लागत कम हुई। वह खुद भी मजदूरी करते थे, जिससे उन्हें अतिरिक्त मजदूरी का खर्चा नहीं उठाना पड़ता था । अशोक बैगा ने अपने नए घर का निर्माण करते समय यह भी ध्यान रखा कि यह न केवल सुरक्षित हो, बल्कि उनके परिवार के लिए आरामदायक भी हो, ताकि घर का वातावरण स्वस्थ और ताजा रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

ईंट-भट्टे में काम करने गई थी, शादी का झांसा देकर किया रेप, गर्भवती हुई पीड़िता

मीडिया ऑडीटर, कोंडागांव एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव में नाबालिक से दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला केशकाल थाना क्षेत्र का है। नाबालिग ने बताया कि एक साल पूर्व वह सिंगनपुर के एक ईंट भट्टी में काम करने गई थी। उसी दौरान मेघराज मरापी निवासी कोनगुड से दोस्ती हुई। युवक वहां जेसीबी चलाता था।

10 महीने पहले मेघराज मरापी प्रार्थिया के घर आया था। आरोपी ने नाबालिग को शादी का झांसा देकर मार्च 2024 से मई 2024 तक शारीरिक संबंध बनाए। जिसके बाद नाबालिग लड़की 07 माह की गर्भवती भी हो गई है।

आरोपी को भेजा गया जेल: केशकाल थाना प्रभारी विकास बघेल के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर 24 सितम्बर 2024 को आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर न्यायालय में पेश कर रिमांड पर भेजा गया है।

मुख्यालय के होटलो में, पड़ोसा जा रहा है अवैध शराब

मीडिया ऑडीटर, एम.सी.बी/ मनेंद्रगढ निप्र। के लगभगहर होटलो में मध्य प्रदेश का शराब परोसा जा रहा है। इन दिनों लगातार मनेंद्रगढ़ में अवैध शराब धडल्ले से बेची जा रही है। नेशनल हाईवे से लगे हर छोटे बड़े होटलों में परोसी जा रही है। आपको बता दें कि मिली जानकारी अनुसार यह शराब ज्यादातर सीमावर्ती से लगे मध्यप्रदेश से लाई जाती है। और अहाता के नाम पर होटलों में अवैध तरीके से ऊंचे दामों में बेची जा रही है। आखिर प्रशासन के नाक के नीचे गोरख धंधा होने पर भी क्यों प्रशासन मौन है। सोचनीय विषय है। क्या प्रशासन और आबकारी विभाग को इसकी सूचना नही? तो आपको बता दें कि प्रशासन को जानकारी होने के बाद भी प्रशासन इन ढाबों और होटलों के राजनीतिक पहुंच के कारण अपने आप को बौना महसूस कररहे हैं। व्यंगात्मक रुप से यू कहें की जियो और जीने दो की नीति रीति से अभिप्रेरित होकर कानून अब मूकदर्शक बने बैठा है। हमारा तात्पर्य अवैध उगाही से बिलकुल नहीं लेकीन आप सभी जानते है। की

यदि कानून के ठेके दार ही इन्हें संरक्षण प्रदान करें तो फिर कानून व्यवस्था कैसे इतनी मजबूत ना बने। ये जितने भी होटल और ढाबे मनेंद्रगढ़ में संचालित किए जा रहे है इनकी जांच और कड़ी कार्यवाही होना बहुत ही आवश्यक है। अन्यथा यह जिला मुख्यालय धीरे धीरे अवैध शराब और अवैध कारोबारियों का मुख्यालय मात्र ही बन कर रह जायेगा। क्या कारण है की आबकारी विभाग के अधिकारी मनेंद्रगढ़ मुख्यालय में निवास करते हैं। और इतनी बड़ी मात्रा में यह अवैध शराब का धंधा चल रहा है, रोक लगाने में असमर्थक्यों है।

वहीं पुलिस प्रशासन भी मौन है। क्या कारण है कि एमसीबी जिले के मनेंद्रगढ़ मुख्यालय में इतनी बड़ी मात्रा में शराब का व्यापार होटलो से संचालित किया जारहा है लेकिन सुध लेने वाला कोई नहीं जबकि हर अधिकारियों का कार्यालय मुख्यालय से संचालित होता है। क्या जनमानस यह समझ ले की शासन प्रशासन केवल दिखावा है। सत्य है कहां अवैध शराब माफियाओं पर रोक लगाने में शासन प्रशासन कामयाब हो सकेगी, सोचनी विषय है।

लुटेरों ने दुर्ग में लूटकर नागपुर में की अय्याशी

स्कूटी सवार पर धारदार कटर से हमला, चेन, मोबाइल और कैश छीनकर भागे

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग पुलिस ने 3 लुटेरों को नागपुर से पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी के पास से 1500 रुपए कैश और एक कटर जब्त किया है। आरोपियों ने बताया कि लूट का मोबाइल और सोने की चेन उसने अपने साथी के पास रखा है। वहीं लूट की रकम को अय्याशी में खर्च कर दिए। मामला डबरापारा के पेट्रोल के पास का है।

खुर्सीपार पुलिस ने बताया कि संतोष कुमार सोनी (56 साल) निवासी खुर्सीपार जोन 1 ने उसके साथ लूट की शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वो मंदिर हसौद रायपुर से अपनी एक्टिवा सीजी 07 बीपी 0418 से अपने घर खुर्सीपार आ रहा था। अचानक डबरापारा के पास उसकी स्कूटी का पेट्रोल खत्म हो गया। वह स्कूटी को धक्का देकर घर की तरफ आ रहा था।

लुटेरों ने मोबाइल और कैश छीन लिए: इस दौरान रात करीब 12.30 बजे आईटीआई ग्राउंड के पास तीन लड़कों ने उसका रास्ता रोक लिया। वे उसके साथ गाली-गलौज करने लगे। उन्होंने स्कूटी की चाबी छीन ली। दो लड़कों ने उसके दोनों हाथ पकड़ लिए। तीसरे ने उसकी जेब से मोबाइल और 8 हजार रुपए छीन लिए। इसके बाद उन्होंने उसके गले में पहनी सोने की चेन भी छीन ली। जब उसने विरोध किया तो एक लड़के ने धारदार कटर निकालकर उसके कूल्हे पर वार कर दिया। इसके बाद वे लोग वहां से भाग गए।

मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार हुए आरोपी: पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि खुर्सीपार गेट का कल्लू नाम का युवक आदतन बदमाश है। राह चलते लोगों से लूट की घटना को अंजाम देता है। पुलिस ने कल्लू का मोबाइल लोकेशन ट्रैस किया तो वो नागपुर बताया। इसके बाद ,ष्टष्ट प्रभारी तापेश्वर नेताम अपनी टीम के साथ नागपुर गए। कल्लू उर्फ शेख सब्बीर को पकड़कर थाना लाए।

लूट की रकम कर दी अय्याशी में खर्च: पुलिस ने कल्लू से पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि उसने अपने दो साथियों रोहित उर्फ एलियन, मंगल सिंह के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया। लूट की करम को उन लोगों ने अय्याशी में खर्च कर दिया। 1,500 रुपए बचे हैं। लूटे गए मोबाइल और चेन को उसने अपने साथी के पास रख दिया है।

गांजा तस्करी करते 2 आरोपी गिरफ्तार

बोलेरो की छत में छिपाकर बिहार ले जा रहे थे, 7 लाख का माल जब्त

मीडिया ऑडीटर, बालोद निप्र। छत्तीसगढ़ के बालोद में पुलिस ने गांजा तस्करी करते बिहार के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। तस्करों ने बोलेरो की छत को गांजे से भर दिया गया था, जिसे पुलिस ने ढूंढ निकाला है।मलकानगिरी ओडिशा से जगदलपुर बस्तर के रास्ते गांजा ले जाकर बिहार में खपाने की साजिश थी।

पुलिस ने 74 किलो गांजा जब्त किया गया है, जिसकी कीमत 7 लाख 74 हजार रुपए बताई जा रही है। वहीं एक बोलेरो वाहन जब्त किया गया है। मामले में दिलीप कुमार यादव (24) और सिद्धू खान (30) को गिरफ्तार किया गया है।

31 पैकेट में रखा गया था गांजा: एएसपी अशोक जोशी ने बताया कि मुखबिर द्वारा मोबाइल के माध्यम से सूचना मिली कि एक सिल्वर रंग की महिन्द्रा बोलेरो वाहन कमांक एमपी 04 बीए 1911 जिसमें दो व्यक्ति सवार हैं, जो वाहन में गुप्त चेंबर बनाकर अवैध गांजा छिपाकर रखे हुए हैं। पुलिस ने गाड़ी को घेराबंदी कर पकड़ा। पुलिस ने तलाशी ली तो 31 पैकेट में गांजा रखा हुआ मिला।

थाईलैंड के मंदिर जैसे 160 फीट ऊंचा पंडाल

दुर्गा प्रतिमा 35, शेर 12-15 फीट ऊंचे, बंगाल के 40 कारीगर कर रहे तैयार

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा निप्र। बप्पा के बाद अब देशभर में मां दुर्गा के आगमन की तैयारी हो रही है। जांजगीर में थाईलैंड के प्रसिद्ध अरुण देव मंदिर की तरह 160 फीट ऊंचा भव्य पंडाल बनाया जा रहा है।

पंडाल में 12 से15 फीट ऊंचे शेरों के साथ 35 फीट ऊंची दुर्गा प्रतिमा स्थापित होगी। इसे बनाने के लिए बंगाल के 40 कारीगर लगे हुए हैं।

श्री श्री दुर्गा सेवा उत्सव समिति इसका निर्माण करा रही है। बताया जा रहा है कि, सजावट में करीब 1 करोड़ का खर्च भी हुआ है।

160 फीट ऊंचा, 150 फीट चौड़ा पंडाल: श्री श्री दुर्गा सेवा उत्सव समिति के सदस्यों ने बताया कि 41 साल से मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। इसे देखने के लिए अलग-अलग जिले से लाखों की संख्या में लोग पहुंचते हैं।

इस साल की नवरात्रि में थाईलेंड के विश्व प्रसिद्ध शांति के प्रतीक अरुण देव मंदिर के तर्ज पर भव्य पंडाल बनाया जा रहा है। यह 160 फीट ऊंचा और 150 फीट चौड़ा होगा।

मां दुर्गा की सजावट भी रहेगी आकर्षण का केंद्र: पांच शेरों के स्वर्णिम रथ में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। मां दुर्गा की सजावट सोने-चांदी, हीरे-मोती से जड़ित गहनों और लाल रंग की सुंदर साड़ी से होगी।

प्रतिमा को भटगांव के प्रदीप देवांगन की 12 सदस्यों की टीम तैयार कर रही है। साथ ही भगवान शिव के परिवार की मूर्ति भी बनाई गई है।

रियाज अहमद की टीम कर रही लाइटिंग: मां दुर्गा की प्रतिमा को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पंडाल को भी सजाया जा रहा है, जिसे 10 दिनों में पूरा कर लिया जाएगा।

इस बार पंडाल में बुर्ज खलीफा के तर्ज पर आकर्षक लाइटिंग लगाई जाएगी, जिसे लगाने के लिए कोलकाता के फेमस रियाज अहमद की टीम को बुलाया गया है।

लगभग 1 करोड़ रुपए से ज्यादा का खर्च: रात्रि में पंडाल का आकर्षण भव्य रहेगा। दुर्ग से साउंड सिस्टम मंगाया गया है, लेकिन प्रशासन के अनुमति को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

3 अक्टूबर को नवरात्रि की शुरुआत होने जा रही है, पहले ही दिन से यहां भारी भीड़ की उम्मीद जताई गई है। वहीं मां दुर्गा की प्रतिमा, पंडाल, लाइटिंग, साउंड सिस्टम सहित अन्य सजावट का खर्च लगभग 1 करोड़ होगा।

सुरक्षा को लेकर पुलिसकर्मी रहेंगे तैनात: पंडाल के अंदर की लंबाई 100 फीट और चौड़ाई 84 फीट है। इसमें एक बार में 1500 से ज्यादा भक्त मां दुर्गा के दर्शन कर सकते हैं। भक्तों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पंडाल के बाहर स्वास्थ्यकर्मियों की टीम तैनात की जाएगी।

एंबुलेंस की सुविधा भी होगी। सुरक्षा को लेकर पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। वहीं यातायात को लेकर रूपरेखा तैयार की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन 01 अक्टूबर को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। समाज कल्याण संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा 01 अक्टूबर 2024 को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, संरक्षण और सम्मान के प्रति समाज में सकारात्मक वातावरण विकसित करने के उद्देश्य से हर वर्ष यह दिवस मनाया जाता है। इस दिन वरिष्ठ नागरिकों के कल्याणार्थ कार्यरत शासकीय और अशासकीय संस्थाओं के शिविरों का आयोजन भी किया जाएगा। जिले में वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान समारोह, स्वास्थ्य जागरूकता शिविर, वित्तीय संरक्षण संबंधी कार्यशाला, माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण कल्याण अधिनियम 2007 के संबंध में विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम और वरिष्ठ नागरिकों के अनुकूल खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी आपके अधीनस्थ कार्यालयों तथा स्वायत्तशासी संस्थाओं के माध्यम से किया जा सकता है।

तदनुसार अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन पश्चात मय फोटोग्राफ संक्षिप्त प्रतिवेदन जिला कार्यालय के समाज कल्याण को अवगत कराने के लिए कहा गया है।

जिले में अब तक 1066.4 मिमी औसत वर्षा की गयी दर्ज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 01 जून से 25 सितंबर 2024 तक 1066.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 1217.3 मिमी मनेन्द्रगढ़ तहसील में तथा न्यूनतम 945.0 मिमी खड़गवां तहसील में दर्ज की गई है।

तिरुपति लड्डू विवाद- जगन मोहन क्षमायाचना अनुष्ठान करेंगे

हैदराबाद (एजेंसी)। तिरुपति प्रसादम (लड्डू) विवाद को लेकर आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने 28 सितंबर को मंदिरों में क्षमायाचना अनुष्ठान करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने तिरुपति प्रसादम को लेकर झूठे दावे करके पाप किया है। जगन मोहन ने राज्य के लोगों से अपील की है कि वे भी इस क्षमायाचना अनुष्ठान में भाग लें। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने 18 सितंबर को आरोप लगाया था कि ङ्घस्त्रकांग्रेस सरकार में तिरुपति मंदिर के लड्डू में जानवरों की चर्बी वाला वनस्पति तेल और फिश ऑयल मिलाया गया था। इसके अगले दिन टीडीपी ने एक लैब रिपोर्ट दिखाकर अपने आरोपों की पुष्टि होने का दावा किया था। इसके बाद आंध्र प्रदेश के डिप्टी ष्टरूपवन कल्याण ने 22 सितंबर को प्रायश्चित के लिए 11 दिन का उपवास रखा। पवन ने कहा, %मुझे अफसोस है कि मैं मिलावट के बारे में पहले क्यों नहीं पता लगा पाया। मैंने भगवान से क्षमा मांगी, इसके लिए प्रायश्चित करूंगा।

पैरासिटामॉल सहित 53 दवाएं क्वालिटी टेस्ट में फेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पैरासिटामॉल सहित 53 दवाएं क्वलिटी टेस्ट में फेल पाई गई हैं। इनमें विटामिन, शुगर और ब्लड प्रेशर की दवाओं के अलावा एंटीबायोटिक्स भी शामिल हैं। देश की सबसे बड़ी ड्रग रेगुलेटरी बॉडी सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन ने इसकी लिस्ट जारी की है। सीडीएससीओ की लिस्ट में कैल्शियम और विटामिन डी3 सप्लीमेंट्स, एंटी डायबिटीज की गोलियां और हाई ब्लड प्रेशर की दवाएं शामिल हैं। बैन की गई दवाओं की लिस्ट में दौरे और एंग्जाइटी में इस्तेमाल की जाने वाली क्लोनाजेपाम टैबलेट, दर्द निवारक डिक्लोफेनेक, सांस की बीमारी के लिए इस्तेमाल होने वाली एंब्रॉक्सोल, एंटी फंगल फ्लुकोनाजोल और कुछ मल्टी विटामिन और कैल्शियम की गोलियां भी हैं। ये दवाएं हेटेरो ड्रग्स, अल्केम लेबोरेट्रीज, हिंदुस्तान एंटीबायोटिक्स लिमिटेड , कर्नाटक एंटीबायोटिक्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड जैसी बड़ी कंपनियों द्वारा बनाई जाती हैं। सीडीएससीओ ने 53 दवाओं की सूची जारी की पेट के इंफेक्शन के लिए दी जाने वाली दवा मेट्रोनिडाजोल भी इस जांच में फेल हो गई है।

पं. दीनदयाल जी का दर्शन मानवता की भलाई का मार्ग दिखाता है-मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा से मानवता का भला करने का दर्शन दिया। उनका मानना था कि देश की जड़ों से जुड़कर हम कार्य करें और अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक का भला करें। शांति के अग्रदूत के रूप में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पं. दीनदयाल उपाध्याय की सोच को क्रियान्वित करते हुए विकास और जनकल्याण के कार्य पूरे देश में जारी है। उनके विचारों को घर-घर तक पहुंचाने के लिए संपूर्ण प्रदेश में अभियान जारी है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा लगाए गए जनसंघ के पौधे का विस्तार विचार के रूप में देश ही नहीं दुनिया के विभिन्न भागों तक हुआ है। जन-कल्याण की कई योजनाओं के क्रियान्वयन में राज्य सरकार देश में अग्रणी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के उपलक्ष में लाल घाटी स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को धरातल पर उतारने के लक्ष्य को समर्पित ¯ सांसद श्री शर्मा सांसद श्री वी.डी. शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के आधार पर ही विश्व के सबसे बड़े संगठन ने अपना विस्तार किया। उन्होंने

कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को धरातल पर उतारने के पुनीत कर्तव्य को समर्पित हैं। उनकी जयंती पर प्रत्येक वार्ड, मोहल्ले और गांव-गांव में उनके विचारों पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। अधिक से अधिक लोगों को उनके विचार से जोड़ा जा रहा है। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, महापौर श्रीमती मालती राय, स्थानीय सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सुरेश पचौरी, विधायक श्री भगवानदास सबनानी तथा अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सीजेआई बोले-देश के किसी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कह सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जजों को हिदायत दी कि वे किसी समुदाय पर कमेंट करते वक्त लापरवाही ना बरतें। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच कर्नाटक हाईकोर्ट के जज के विवादित कमेंट का मामला सुन रही थी। जिसमें जज ने बेंगलुरु के एक हिस्से को पाकिस्तान कह दिया था। सीजेआई ने कहा कि आप देश के किसी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कह सकते हैं। यह देश की एकता के मौलिक सिद्धांत के खिलाफ है। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस वी श्रीशनंदा के इस कमेंट का वीडियो वायरल हो गया था, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने खुद इस मामले की सुनवाई शुरू की।

वीडियो के वायरल होने के बाद कर्नाटक हाईकोर्ट ने बिना परमिशन के कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग पर रोक लगा दी थी। इस पर सीजेआई ने कहा, कोर्ट की प्रक्रिया में अधिकतम पारदर्शिता लाने के लिए उसे ज्यादा से ज्यादा प्रकाश में लाने की जरूरत है। कोर्ट में जो कुछ भी होता है उसे दबाना नहीं चाहिए। सब कुछ बंद कर देना नहीं है। इसके बाद जस्टिस श्रीशनंदा ने सुप्रीम कोर्ट से माफी मांग ली। सीजेआई की बेंच ने माफी मंजूर करते हुए केस बंद कर दिया है। लापरवाह तरीके से किए गए कमेंट किसी व्यक्ति का पक्षपात पूर्ण नजरिया बताते हैं, खासतौर से तब जब वे किसी जेंडर या कम्युनिटी पर किए गए हों।

राहुल बोले- जम्मू-कश्मीर के स्टेटहुड के लिए सड़क पर उतरेंगे

जम्मू (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को जम्मू में कहा कि अगर विधानसभा चुनाव के बाद केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिया तो इंडिया ब्लॉक संसद के अंदर अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल करेगा और जरूरत पड़ी तो सड़क पर भी उतरेगा। राहुल यहां एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब 2019 में जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटा गया था, तो यहां के लोगों के साथ बहुत अन्याय हुआ है। भारत के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि हमने

किसी राज्य का राज्य का दर्जा छीन लिया हो और उसे केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिया हो। यह तीन हफ्तों में राहुल गांधी का तीसरा जम्मू-कश्मीर दौरा है। इसके पहले 4 सितंबर को उन्होंने बनिहाल और दूरू का दौरा किया था, वहीं 23 सितंबर को वे सुरनकोट और सेंट्रल-शाल्टेंग आए थे। आज जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के तहत दूसरे चरण का मतदान हो रहा है। हम चाहते थे कि चुनाव से पहले राज्य का दर्जा बहाल किया जाए बारामूला में राहुल ने कहा- हम चाहते थे कि चुनाव से पहले जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। जम्मू-कश्मीर के सभी लोग यही चाहते थे कि राज्य का दर्जा बहाल होने के बाद चुनाव हों... लेकिन ऐसा नहीं हुआ, पहला कदम चुनाव है।

मैसूर लैंड स्कैम में लोकायुक्त करेगा सिद्धारमैया की जांच

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के स्पेशल कोर्ट ने बुधवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ एमयूडीए (मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण) मामले में कर्नाटक लोकायुक्त को जांच करने का आदेश दिया है। लोकायुक्त की मैसूरु जिला पुलिस को जांच की रिपोर्ट 3 महीने में सौंपनी होगी। इससे एक दिन पहले मंगलवार को कर्नाटक हाईकोर्ट ने सिद्धारमैया के खिलाफ जमीन घोटाले से जुड़े मामले में चल रही जांच को सही बताया। जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने मंगलवार को कहा- %याचिका में जिन बातों का जिक्र है,

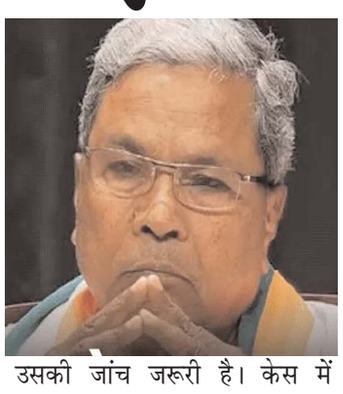

उसकी जांच जरूरी है। केस में मुख्यमंत्री का परिवार शामिल है, इसलिए याचिका खारिज की जाती है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता , 2023 की धारा 218 के तहत सिद्धारमैया के खिलाफ केस चलाने की अनुमति दी थी। सीएम ने 19 अगस्त को इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी, साले और कुछ अधिकारियों के खिलाफ शिकायत की गई है। एक्टिविस्ट टी. जे. अब्राहम, प्रदीप और स्नेहमयी कृष्णा का आरोप है कि सीएम ने एमयूडीए अधिकारियों के साथ मिलकर महंगी साइट्स को धोखाधड़ी से हासिल किया।

हाईकोर्ट बोला- बदलापुर की घटना को एनकाउंटर मानना मुश्किल

मुंबई (एजेंसी)। ठाणे के बदलापुर में नर्सरी की दो बच्चियों के साथ यौन शोषण के आरोपी अक्षय शिंदे के एनकाउंटर पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को सवाल उठाए। कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से पूछा- हम कैसे मान लें कि 4 अफसर एक आरोपी को संभाल नहीं पाए। हथकड़ी भी लगी थी, अगर सेल्फ डिफेंस जैसी स्थिति थी तो आरोपी के पैर पर गोली मारते हैं, सिर में नहीं। बेंच ने कहा- अगर गोली चलाने वाला अफसर असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर है, तब वह यह नहीं कह सकता कि उसे रिएक्ट कैसे करना है, इसकी जानकारी नहीं थी।

जम्मू-कश्मीर में दूसरे फेज की वोटिंग खत्म

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। इसमें 25.78 लाख मतदाताओं ने सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक वोट डाला। शाम 5 बजे तक 59.37 फीसदी वोटिंग हुई। सबसे ज्यादा रियासी में 71.81त्न वोटिंग हुई, जबकि श्रीनगर में सबसे कम 27.31त्न वोट पड़े। सेकेंड फेज की 26 सीटों में से 15 सीटें सेंट्रल कश्मीर और 11 सीटें जम्मू की हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, दूसरे फेज में 239 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 233 पुरुष और 6 महिलाएं हैं। दूसरे फेज में 131 कैंडिडेट्स करोड़पति और 49 पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने अपनी संपत्ति केवल 1,000 रुपए घोषित की है। वोटिंग के दौरान उन्होंने कहा- पीडीपी, एनसी और कांग्रेस की सरकारों में यहां डर का माहौल था। पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला गांदरबल और बीरवाह से मैदान में हैं। उमर लोकसभा चुनाव में बारामूला सीट तिहाड़ जेल से चुनाव लड़े इंजीनियर राशिद से हार गए थे। इस बार भी गांदरबल सीट पर उनके खिलाफ जेल में बंद सरजन अहमद वागे उर्फ आजादी चाचा मैदान में हैं। 18 सितंबर को पहले फेज में 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग हुई। इस दौरान 61.38त्न मतदान हुआ। किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 80.20त्न और पुलवामा में सबसे कम 46.99त्न वोटिंग हुई। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को जम्मू में रोड शो किया। पार्टी ने जम्मू पूर्व विधानसभा सीट से आदित्य गुप्ता को टिकट दिया है। जम्मू-कश्मीर में आज दूसरे चरण की वोटिंग चल रही है। राजौरी जिले में पाकिस्तान से सटा इंटरनेशनल बॉर्डर है।

कृषि कानूनों की वापसी वाले बयान पर कंगना की माफी

हरियाणा (एजेंसी)। भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट ने कृषि कानूनों को लेकर दिए बयान पर बुधवार को माफी मांग ली। कहा, %यदि मेरे अपने बयान से किसी को निराशा हुई है तो मैं अपने शब्द वापस लेती हूं।% एक्ट्रेस का यह बयान भाजपा के किनारा कर लेने के बाद आया। सुबह भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने वीडियो जारी कर कहा था कि कंगना को 3 कृषि कानूनों पर बोलने का हक नहीं है। कंगना ने 23 सितंबर को हिमाचल में एक कार्यक्रम के

दौरान कहा था, किसानों के जो लॉ हैं, जो रोक दिए गए, वे वापस लाने चाहिए। किसानों को खुद इसकी डिमांड करनी चाहिए। राहुल गांधी ने 25 सितंबर को सोशल मीडिया पर कहा, %सरकार की नीति कौन तय कर रहा है। एक बीजेपी सांसद या प्रधानमंत्री मोदी। 700 से ज्यादा किसानों, खास कर हरियाणा और पंजाब के किसानों की शहादत ले कर भी बीजेपी वालों का मन नहीं भरा। इंडिया हमारे अन्नदाताओं के विरुद्ध बीजेपी का कोई भी षडयंत्र कामयाब नहीं होने देगा। अगर किसानों को नुकसान पहुंचाने के लिए कोई भी कदम उठाया जाएगा तो मोदी जी को फिर से माफी मांगनी पड़ेगी।

गुजरात के साबरकांठा में ट्रक से टकराई कार, 7 मौतें

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के साबरकांठा में हिम्मतनगर हाईवे पर एक इनोवा कार की बुधवार सुबह ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार 7 लोगों की मौत हो गई। 1 गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज हिम्मतनगर सिविल अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने बताया कि कार में सवार सभी 8 लोग अहमदाबाद के रहने वाले थे। वे शामलाजी से अहमदाबाद की ओर जा रहे थे। इसी दौरान इस कार की ट्रक के पिछले हिस्से से टक्कर हुई। हादसा इतना गंभीर था कि कार का बंपर उड़ गया था और शव कार में फंस गए थे। शवों को निकालने के लिए कार की बॉडी को गैस कटर से काटना पड़ा। पुलिस बोली- कार तेज रफ्तार में थी डीएसपी एके पटेल ने बताया कि उनकी टीम मौके पर पहुंची तब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी थी। मरने वालों की पहचान धनवानी, चिराग, रविभाई, रोहित, गोविंद, राहुल, रोहित और बर्थ के रूप में हुई है। अभी इनकी उम्र और बाकी डिटेल सामने नहीं है। वहीं, 22 साल के हनीभाई शंकरलाल टोटवानी का हिम्मतनगर सिविल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। राजस्थान के बूंदी में 15 सितंबर को ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। कार सवार 6 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि 3 लोग घायल हो गए।

गोली लगने से बीकानेर के जवान की मौत

बीकानेर (एजेंसी)। श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) के अनंतनाग में तैनात बीकानेर के जवान राम स्वरूप कस्वां (24) की गोली लगने से मौत हो गई। आर्मी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। वे नोखा के पांचू गांव के रहने वाले थे। जिला सैनिक अधिकारी कर्नल यश राठौड़ ने बताया- उनकी मौत फिजिकल कैजुअल्टी है। सिर में गोली लगी है, जिसकी जांच की जा रही है। जुलाई में ही अनंतनाग में राम स्वरूप कस्वां की पोस्टिंग हुई थी। उनकी पार्थिव देह को गुरुवार को पांचू लाया जाएगा। इससे पहले सूचना आई थी कि वे पाकिस्तानी गोलीबारी में शहीद हुए हैं, लेकिन बाद में सेना के अधिकारियों ने बताया कि उनकी गोली लगने से मौत हुई है। जानकारी के अनुसार, राम स्वरूप कस्वां के बड़े भाई सहीराम भी सेना में हैं। सेना ने उनके परिजन और बीकानेर प्रशासन को सूचना दी। राम स्वरूप कस्वां की पार्थिव देह कल (गुरुवार) बीकानेर पहुंचने की संभावना है।

वक्फ बिल पर 1.25 करोड़ फीडबैक, भाजपा बोली- चौंकाने वाले आंकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने वक्फ बिल पर मिले एक करोड़ से ज्यादा फीडबैक पर चिंता जताई है। दरअसल, संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने 8 अगस्त को लोकसभा में वक्फ बिल 2024 पेश किया था। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों ने इस बिल को मुस्लिम विरोधी बताया था। विपक्ष के विरोध के बीच ये बिल लोकसभा में बिना किसी चर्चा के जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी को भेज दिया गया था। जेपीसी ने बिल में सुधार के लिए फीडबैक मांगा था। अब तक 1.25 करोड़ सुझाव आएं हैं।

हालांकि, निशिकांत दुबे ने फीडबैक की संख्या पर सवाल उठाए। दुबे का आरोप है कि, ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं। इसमें ङ्घस्ङ्घ और चीन का हाथ हो सकता है। उधर अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने भी आंकड़ों पर हैरानी जताई थी। दुबे बोले- यह कट्टरपंथी संगठनों, आईएसआई और चीन की साजिश निशिकांत दुबे 31 सदस्यीय जेपीसी का हिस्सा हैं। उन्होंने कमेटी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को लेटर लिखकर इस मामले की जांच की मांग की है। दुबे ने लेटर में लिखा, करोड़ों की संख्या में आए फीडबैक में साजिश नजर आ रही है। ये कट्टरपंथी संगठनों, जाकिर नाइक जैसे व्यक्तियों, आईएसआई और चीन की साजिश लगती है।

मोदी बोले-कांग्रेस आई तो हरियाणा को बर्बाद कर देगी

गोहाना (एजेंसी)। हरियाणा चुनाव को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोनीपत के गोहाना में रैली की। मोदी ने कहा कि अगर कांग्रेस की सरकार आई तो हरियाणा को बर्बाद कर देगी। कांग्रेस में सिर-फुटौव्वल मचा हुआ है। कर्नाटक में इनके सीएम और डिप्टी सीएम लड़ रहे हैं। यही हाल हिमाचल और तेलंगाना में है। यहां कांग्रेस को लाने का मतलब हरियाणा के विकास को दांव पर लगाना है प्रधानमंत्री ने 10 साल पहले पहले ष्टरू भूपेंद्र हुड्?डा की अगुआई वाली कांग्रेस सरकार के

वक्त दलितों पर अन्याय का मुद्दा उठाया। इसके अलावा बिना नाम लिए सिरसा सांसद कुमारी सैलजा के साथ कांग्रेस में हो रहे व्यवहार पर भी सवाल खड़े किए। मोदी ने कहा कि कांग्रेस आतंक और अलगाववाद को हवा देना चाहती है।

कांग्रेस को शांति पसंद नहीं, इसलिए जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को वापस लाना चाहती है। पीएम ने कांग्रेस को भ्रष्टाचार को पालने-पोसने वाली बताया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शाही परिवार देश में सबसे भ्रष्ट है।

आकाशदीप ने की रोहित शर्मा की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पेसर आकाश दीप ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में बेहतरीन प्रदर्शन किया। वहीं अब उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा की दिल खोलकर तारीफ की। उन्होंने इस दौरान ये भी बताया कि जब नो बॉल पर उन्होंने इंग्लैंड के बल्लेबाज जैक क्राउली का विकेट लिया तो इससे रोहित शर्मा नाराज नहीं थे। आकाश ने बताया कि रोहित ने ही उनको शांत रहने के लिए कहा था और बोले थे कि कोई नहीं, ऐसा होता रहता है। आकाश दीप ने ये भी कहा है कि रोहित शर्मा की कप्तानी में खेलना किस्मत की बात है और उन्होंने रोहित जैसा कप्तान कभी नहीं देखा। आकाश दीप ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में बताया कि कैसे डेब्यू मैच में नो बॉल पर उनको विकेट मिला, लेकिन कप्तान रोहित शर्मा ने कुछ नहीं कहा। आकाश ने बताया कि, मैं हमेशा कहता हूं कि रोहित भैया के नेतृत्व में खेलना सौभाग्य और किस्मत की बात है। मैं उनके नेतृत्व में खेलने के लिए खुद को भाग्यशाली मानता हूं। वह एक अलग तरह के कप्तान हैं, मैंने उनके जैसा कप्तान कभी नहीं देखा। वह सबसे अच्छे कप्तान हैं, जिनके नेतृत्व में मैंने खेला है। वह एक शांत और धैर्य रखने वाले व्यक्ति हैं। भारतीय पेसर ने आगे कहा कि, वह हर खिलाड़ी के लिए चीजों को इतना सरल और आसान रखते हैं, ना कि केवल मेरे लिए। आप ये देखकर हैरान रह जाएंगे कि रोहित के कद का खिलाड़ी एक युवा खिलाड़ी के साथ दोस्त और भाई की तरह पेश आता है।

टूर्नामेंट में अंपायर और मैच रेफरी होंगी सिर्फ महिलाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए आईसीसी ने बड़ा ऐलान किया है। दरअसल, पहली बार पूरे इवेंट में महिला मैच अधिकारियों का पैनल बनाया गया है। मैच रेफरी हो या फिर अंपायर इस बार विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में महिलाएं ही सारी जिम्मेदारी संभालेंगी। बता दें कि, आईसीसी की ओर से बड़ा फैसला लिया गया है। इसके लिए 10 अंपायर और 3 मैच रेफरी समेत कुल 13 मैच ऑफिशियल की घोषणा की गई है। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 की शुरुआत 3 अक्टूबर से होगी और फाइनल 20 अक्टूबर को खेला जाएगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को इसकी मेजबानी संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई में करनी पड़ी रही है। क्योंकि बांग्लादेश में तख्ता पलटने से वहां के हालात भी खराब हो गए थे। ऐसे में आईसीसी ने इसे यूएई में शिफ्ट कर दिया था। वहीं इस मेगा टूर्नामेंट के लिए अनुभवी अंपायरों को भी पैनल में जगह मिली है, जिनको पहले से टी20 वर्ल्ड कप में अंपायरिंग करने का अनुभव है। इनमें क्लेयर पोलोसाक पांचवीं बार टी20 वर्ल्ड कप में अंपायरिंग करेंगी, जबकि किम कॉटन और जैकलीन विलियम्स चौथी बार अंपायर की जिम्मेदारी संभालेंगी। पिछले फाइनल में सू रेडफर्न टीवी अंपायर थीं। वह भी चौथी बार मेगा इवेंट में अंपायर होंगी।

दूसरे मुकाबले में बारिश डाल सकती है बाधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कानपुर के ग्रीन पार्क में भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच 27 सितंबर से खेला जाएगा। ये मैच सीरीज का निर्णायक मैच होगा, जबकि पहले मैच में भारत को बेहतरीन जीत मिली थी। जिसके बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत 2-0 से आगे है। वहीं बांग्लादेश टीम इस मुकाबले को जीतकर सीरीज को बराबर पर खत्म करना चाहेगी। लेकिन, मुकाबले से पहले एक बुरी खबर है, दरअसल, संभावना जताई जा रही है कि, कानपुर टेस्ट में बारिश बाधा बनेगी। फैंस को इस मैच का बेसब्री से इंतजार है। हालांकि फैंस को निराशा झेलनी पड़ सकती है और इसका कारण मौसम हो सकता है। मैच के दौरान बारिश की संभावना जताई जा रही है जिससे खेल बाधित हो सकता है। पांचों दिन कैसा रहेगा कानपुर का मौसम यहां जानें। कानपुर में 27 सितंबर से टेस्ट मैच होना है और इस दिन 92 प्रतिशत बारिश की आशंका जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार मैच के पहले दिन बारिश शुरुआत में खलल डाल सकती है। पहले दिन अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री तक रहने की संभावना है।

लॉर्ड्स टेस्ट के टिकट के लिए एमसीसी की हो रही आलोचना, टिकिट की कीमत कम से कम 8400 रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले साल 2025 जुलाई में भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में टेस्ट मैच खेला जाएगा। वहीं इस टेस्ट के पहले तीन दिनों के लिए मेरिलबोर्न क्रिकेट क्लब ने न्यूनतम 90 यूरो यानी लगभग 8400 रुपये का टिकट निर्धारित किया है। जिसकी खासी आलोचना हो रही है। वहीं प्रमुख स्टैंड्स के टिकटों का मूल्य 11,200 रुपये से 16,330 रुपये है। आलोचको का कहना है कि इस साल श्रीलंका के खिलाफ हुई लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान भी कुछ प्रमुख स्टैंड्स के टिकट 10,730 रुपये से 13065 रुपये के टिकट मूल्य निर्धारित किए गए थे, जिसके कारण कई स्टैंड्स खाली थे। चौथे दिन का खेल देखने के लिए सिर्फ 9000 टिकट बिके थे, जो कि स्टेडियम की क्षमता के एक-तिहाई से भी कम था। हालांकि, आलोचना के बाद एमसीसी को चाय के बाद के टिकट का दाम 1400 रुपये और 470 रुपये अंडर-16 के लिए करना पड़ा, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। मैच के बाद इंग्लैंड के कप्तान ऑली पोप ने कहा था कि, ये टेस्ट मैच का अच्छा दिन था, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण था कि स्टेडियम भरा हुआ नहीं था।

इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के लिए पाकिस्तान के कप्तान बने रह सकते हैं शान मसूद

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला के लिए शान मसूद को कप्तान पद पर बरकरार रख सकता है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के दौरे के लिए बाबर आजम का सीमित ओवरों की टीम का कप्तान बने रहना तय है। इंग्लैंड की टीम तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलने के लिए तीन अक्टूबर को पाकिस्तान पहुंचेगी। पहला टेस्ट मैच सात अक्टूबर से मुल्तान में खेला जाएगा। मसूद ने अभी तक पांच टेस्ट

मैच में पाकिस्तान का नेतृत्व किया है। टीम को इन सभी टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने इससे पहले 2022-23 में पाकिस्तान का दौरा किया था। उसने बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम का 3-0 से सूपड़ा साफ किया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों के अनुसार रावलपिंडी में बांग्लादेश से दोनों टेस्ट मैच में पराजय का सामना करने वाली टीम में बहुत अधिक बदलाव नहीं किए जाएंगे। सूत्रों ने कहा,''सीमित ओवरों की टीम के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन ने टी20 और वनडे के लिए चैंपियंस कप में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ियों की पहचान की है लेकिन टेस्ट टीम के कोच जेसन गिलेस्पी और हाई परफार्मेंस डायरेक्टर टिम नीलसन ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए नए खिलाड़ियों का चयन करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है।

भारत-बांग्लादेश पहले टी20 पर मंडरा रहा खतरा, ग्वालियर में हिंदू महासभा ने किया बंद का आह्वान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच 27 सितंबर से शुरू होगा। इसके बाद दोनों देशों के बीच टी20 सीरीज खेली जाएगी। सीरीज का पहला मैच 6 अक्टूबर को ग्वालियर में खेला जाएगा। इस मैच अब खतरा मंडरा रहा है। इसकी वजह है हिन्दू महासभी जो इस मैच का विरोध कर रही है। ये जानकार हैरान हो सकती है कि हिन्दू महासभा का क्रिकेट मैच से क्या ताल्लुक है। संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जयवीर भारद्वाज ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि हिंदू महासभा 6 अक्टूबर को यहां होने वाले भारत-बांग्लादेश मैच का विरोध कर रही है। उन्होंने ग्वालियर में बंद का आह्वान किया है। जयवीर ने दावा किया है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार अभी भी जारी है। ऐसे में बांग्लादेश के साथ क्रिकेट खेलना सही नहीं है। हिंदू महासभा ने मैच के दिन ग्वालियर बंद का आह्वान किया है और उन्होंने कहा कि जरूरी चीजों पर कोई पाबंदी नहीं होगी। इसके अलावा भारद्वाज ने मांग की तिरुपति बालाजी मंदिर में लड्डुओं में मिलावट करने वालों को मृत्युदंड दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर में हुए अभिषेक समारोह के दौरान भी ये लड्डू बांटे गए थे। उन्होंने कहा कि इस घटना ने हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है।

मेरे दो ही हाथ हैं... कानपुर में स्वागत के समय झल्लाए विराट कोहली

कानपुर (एजेंसी)। दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारत और बांग्लादेश की टीमें मंगलवार को कानपुर पहुंच चुकी हैं। जहां दोनों टीमों के बीच 27 सितंबर से दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। जबकि इससे पहले चेन्नई टेस्ट में भारत ने बांग्लादेश को हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दोनों टीमों के कानपुर पहुंचने पर जोरदार स्वागत हुआ। लेकिन इस दौरान विराट कोहली थोड़े से परेशान और असहज नजर आए।

दरअसल, जब टीम इंडिया होटल लैडमार्क पहुंची तो उनका ग्रांड वेलकम हुआ, हर कोई विराट कोहली से हाथ मिलना चाहता था। लेकिन कोहली के दोनों हाथ भरे हुए थे, तो वह हाथ नहीं मिला पाए और इस दौरान उन्हें कहते सुना गया कि मेरे दो ही हाथ हैं। फिलहाल, पहले टेस्ट में विराट कोहली पहली पारी में 6 रन बनाकर जबकि दूसरी पारी में 17 रन बनाकर आउट हो गए थे। कानपुर में विराट कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद की जा रही है। वहीं कप्तान रोहित शर्मा भी चेन्नई टेस्ट मैच में नहीं चल पाए थे, पहली पारी में 6 और दूसरी पारी में पांच ही रन बना पाए थे।

द्रविड़ की कार्यशैली 'काफी अनुशासित' थी, गंभीर उनकी तुलना में सहज हैं-अश्विन

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय टीम के सबसे उम्रदराज सदस्य रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि गौतम गंभीर अपने पूर्ववर्ती राहुल द्रविड़ की तुलना में अधिक सहज हैं, जिनकी कार्यशैली 'बहुत अनुशासित' थी। द्रविड़ नवंबर 2021 से भारतीय टीम के कोच थे। वह इस जुलाई में भारतीय टीम से अलग हुए। उनकी मौजूदगी में टीम ने टी20 विश्व कप का खिताब जीता। अश्विन ने गंभीर और उनके पूर्ववर्ती कोच के बीच अंतर की ओर इशारा करते हुए कहा कि गंभीर शांत प्रवृत्ति के हैं और उनका रवैया ड्रेसिंग रूम में जीवंत माहौल बनाए रखने में मदद करता है। अश्विन ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर कहा, ''मुझे लगता है कि वह (गंभीर) बहुत शांतचित्त हैं। मैं उसे 'रिलैक्स्ड रैंचो (सहज और शांत)' कहना चाहता हूं। उनकी मौजूदगी में कोई दबाव नहीं होता है।'' उन्होंने कहा, '' सुबह में टीम की बैठक को लेकर भी वह काफी सहज

रहते हैं। वह आपसे पूछते हैं कि क्या आप सुबह बैठक में आयेंगे, कृपया आइए।'' अश्विन ने कहा कि गंभीर की तुलना में द्रविड़ का दृष्टिकोण अधिक सख्त और व्यवस्थित था। उन्होंने खुलासा किया, '' राहुल भाई (द्रविड़) चीजों को काफी व्यवस्थित रखना चाहते थे। वह चाहते थे कि किसी बोतल को भी एक विशेष समय पर एक विशेष स्थान पर रखा जाना चाहिए। वह इस मामले में बहुत ही अनुशासित थे।'' इस अनुभवी ऑफ स्पिनर ने कहा, '' गंभीर से वह ऐसी चीजों की उम्मीद नहीं करते हैं। वह ज्यादा कड़ाई करना पसंद नहीं करते हैं। वह सब का ख्याल रखते है और मुझे लगता है कि टीम के सभी खिलाड़ी उन्हें पसंद करेंगे।'' अश्विन ने कार दुर्घटना की गंभीर चोट से उबर कर टेस्ट टीम में वापसी करने वाले भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत की भी तारीफ की। पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में शतक लगाकर अपनी वापसी को यादगार बनाया। अश्विन ने महसूस किया कि इस युवा खिलाड़ी का जन्म क्रिकेट के लिए हुआ है और अक्सर उनकी क्षमताओं को कम करके आंका जाता है। अश्विन ने कहा, ''वह (पंत) बहुत अच्छा खेले। जब वह बल्लेबाजी कर रहा था तब मैंने रोहित से 10 बार कहा, वह बहुत अच्छा खेलता है लेकिन मुझे नहीं पता कि वह कैसे आउट हो जाता है।'' उन्होंने कहा, ''वह हर तरीके से क्रिकेट के लिए पैदा हुआ है और एक मजबूत व्यक्ति है। जब वह गेंद पर प्रहार करता है तो गेंद काफी दूर तक जाती है। उसके पास एक हाथ से बड़े शॉट खेलने की क्षमता है।

कप्तान हरमनप्रीत ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

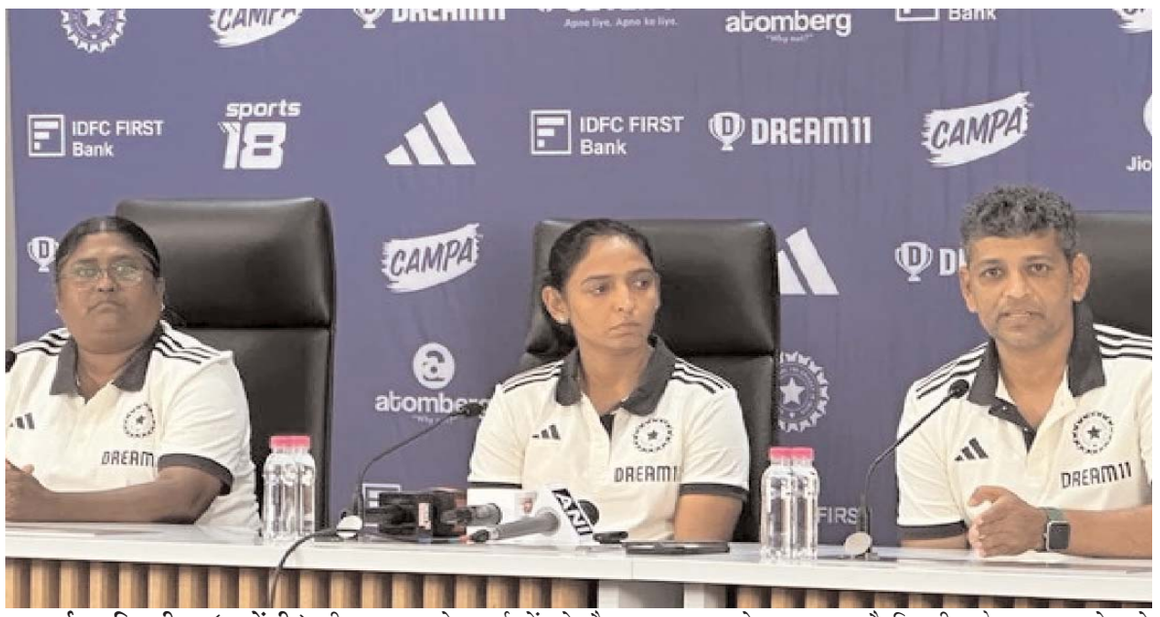

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया की पुरुष क्रिकेट टीम टी20 वर्ल्ड कप जीत चुकी है। वहीं अब महिला टीम की बारी है। इस बार महिला टी20 वर्ल्ड कप यूएई में होगा। भारतीय महिला टीम इस बार आईसीसी ट्रॉफी जीतने के इरादे से उतरेगी। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है की उनकी टीम में वह हर खूबी है जो उन्हें चैंपियन बना सकती है। आईसीसी की मीडिया विज्ञप्ति में हरमनप्रीत कौर ने कहा कि, हमारा एक ही लक्ष्य है कि हम देश और अपने समर्थकों को गौरव महसूस करने का मौका दें जो बिना शर्त हमारा समर्थन करते हैं, चाहे हम कहीं भी खेलें। भारत ने अब तक कभी भी आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती है। हरमनप्रीत ने कहा कि, इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को जीतना टीम का सपना है। मेरा मानना है कि हमारे पास ऐसा करने की क्षमता है। हम ऑस्ट्रेलिया में 2020 महिला टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचे और दक्षिण अफ्रीका में 2023 सीजन में फाइनल में जगह बनाने के बेहद करीब पहुंच गए। इससे पता चलता है कि टीम के पास सबसे बड़े मंच पर सफल हने की क्षमता है। साथ ही हरमनप्रीत कौर ने आगे कहा कि यूएई में पहली बार खेलने को लेकर भी उत्साह व्यक्त किया और कहा कि टीम इस अनुभव का बेसब्री से इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा कि, मुझे पूरा विश्वास है कि दुबई और शारजाह में खेलते समय भारी संख्या में दर्शक आएंगे। उन्होंने कहा कि, इस टूर्नामेंट के लिए हमारी तैयारी महिला टी20 विश्व कप के पिछले सीजन के समापन के तुरंत बाद शुरू हो गई थी।

बेटे के नाम पर पिता से एक लाख की ठगी

फोन पर पुलिस अधिकारी बनकर ठग ने कहा, बेटा गैंगरेप में फंसा है बचाना चाहते हो तो भेज दो रकम

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। फोन कॉल कर लोगों को ठगने वाले गिरोह ने नागौद क्षेत्र के एक व्यक्ति को अपना शिकार बना लिया। ठग गिरोह ने पिता को बेटे के पुलिस मामले में फंसने का डर दिखा कर एक लाख रुपए ऐंठ लिए। मामला थाना पहुंचा है और नागौद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

नागौद थाना क्षेत्र का निवासी छात्र इंदौर में रह कर पढ़ाई करता है। उसके पिता को पुलिस अधिकारी बन कर ठगों ने फोन किया और बेटे के गैंगरेप के मामले में फंसे होने की जानकारी देकर उससे एक लाख रुपए ऐंठ लिए। लेकिन जब पिता ने अपने बेटे से फोन पर सम्पर्क किया तो वह सही सलामत मिला जिसके बाद पिता को समझ मे आया कि वह ठगी का शिकार हो गए है। वह नागौद थाना पहुंचा और पुलिस से शिकायत की।

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि 24 सितंबर की शाम उसके पास किसी का फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी बताया और कहा कि आपका बेटा गैंगरेप के मामले में गिरफ्तार किया गया है। यदि उसे बचाना चाहते हो तो फोन मत काटना और पूरी बात सुनना वरना 15 साल के लिए बेटे को जेल जाना पड़ेगा। यह सुनकर मैं डर गया और फोन डिस्कनेक्ट किए बिना बातें सुनने लगा। इस दौरान उसे मारपीट का शोर और चीख पुकार की आवाज भी सुनाई दी जिसने डर को और बढ़ा दिया।

बातचीत के दौरान ही कथित पुलिस अफसर ने उसे मोबाइल नंबर 9882194665 दिया, और उस पर पैसे ट्रांसफर करने को कहा। बेटे को बचाने की चिंता में पिता झांसे में आ गया और उसने पहले 40 हजार और फिर 60 हजार रुपए उस नंबर पर ट्रांसफर कर दिए। पैसे जाते ही कॉल डिस्कनेक्ट हो गई। बाद में जब पिता ने बेटे से बात की तब समझ आया की उनके साथ ठगी हुई है।

स्पा सेंटर में पुलिस की दबिश

कैमरे में पुलिस को देख बगल की बिल्डिंग पर कूद कर भागे लोग

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना शहर में पन्ना नाका के पास चल रहे एक स्पा सेंटर में पुलिस ने दबिश दी लेकिन उसके सेंटर के अंदर दाखिल होने के पहले ही वहां रहे लोग भाग निकले।

जानकारी के मुताबिक, सिविल लाइन थाना क्षेत्र में पन्ना नाका के पास उमरी में यूनियन बैंक के ऊपर चल रहे क्रिस्टीना स्पा सेंटर में बुधवार दोपहर पुलिस ने दबिश दे दी। सीएसपी महेंद्र सिंह के नेतृत्व में पहुंची पुलिस टीम के ऊपरी मंजिल पर चल रहे स्पा सेंटर के दरवाजे पर पहुंचने और दरवाजा खोलकर अंदर दाखिल होने के बीच ही सेंटर में मौजूद रहे लोग भाग निकले। पुलिस जब अंदर पहुंची तो वहां उसे फर्नीचर तथा अन्य सामान के अलावा गर्म तेल के अलावा कोई नहीं मिला। स्पा सेंटर के अंदर मौजूद रहे लोग कैमरे में पुलिस को देख कर सेंटर के बंद दरवाजे के अंदर से ही बाजू वाली बिल्डिंग की छत के रास्ते भाग निकले। पुलिस को सेंटर में दाखिल होने के लिए सेंटर के ग्लास डोर के लॉक को खुलवाना पड़ा। इसी बीच मैनेजर, स्टाफ और ग्राहकों को भागने का मौका भी मिल गया।

आसपास के लोगों ने पुलिस को बताया कि यह सेंटर खेरवा टोला का रहने वाला कोई अंटू तिवारी नामक व्यक्ति चलाता है। सेंटर में 10 युवतियों समेत 13 लोगों का स्टाफ है। उसने नीचे बिल्डिंग के प्रवेश द्वार और ऊपर आने वाली सीढ़ी के ठीक सामने सीसीटीवी कैमरा लगा रखा है जिससे हर आने-जाने वाले का पता उसे बैठे-बैठे चल जाता है। स्पा सेंटर का दरवाजा भी वह अंदर से लॉक रखता है। बिल्डिंग के जिस हिस्से में स्पा सेंटर है उसकी खिड़की से लगी हुई बगल वाली बिल्डिंग की छत है। इस रास्ते का इस्तेमाल सेंटर वाले चोर रास्ते के तौर भी करते हैं।

बता दें कि इसके पहले भी इसी जगह पर एक स्पा सेंटर संचालित था। पुलिस ने छापेमारी के वह सेंटर बंद कराया था। अब वहां नए नाम से नया सेंटर चलाया जा रहा था।

बहरहाल, पुलिस ने सेंटर को लॉक कर दिया है और इसके संचालक-मैनेजर की तलाश शुरू कर दी है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत की गई सफाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रदेश में आम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत मध्यप्रदेश शासन द्वारा 2 अक्टूबर 2024 तक प्रदेश में स्वच्छता ही सेवा के रूप में मनाया जा रहा है।

इस अभियान अंतर्गत बुधवार को विकासखण्ड सोहावल अंतर्गत ग्राम पंचायत भुमकहर में निर्मित मुख्यमंत्री ग्रामीण हाट बाजार केन्द्र की साफसफाई की गई। ग्राम में स्वच्छता रैली निकाल कर ग्रामवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

स्वच्छता से संवाद अन्तर्गत सरपंच शांति चौधरी द्वारा ग्रामीणों को स्वच्छता एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर नोडल पीसीओ रमेश शुक्ला, ग्राम पंचायत सचिव सत्यभान सिंह, ग्राम रोजगार सहायक रेनू गर्ग, आंगनवाडी सहायिका पूजा गर्ग, रामनरेश चौधरी सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मैहर कलेक्टर ने ली समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में बुधवार को कलेक्टर रानी बाटड़ की अध्यक्षता में समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई में लंबित प्रकरणों के साथ विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, आरती यादव, डॉ आरती सिंह, सीईओ प्रतिपाल बागरी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरण को ध्यानपूर्वक पढ़े एवं संतुष्टि पूर्वक बंद करने का प्रयास करे। सभी विभाग शिकायतो को नाट अटेंड न होने दें एवं नई शिकायतो के साथ-साथ माह जनवरी 2024 से पुरानी लंबित शिकायतो का निराकरण करते हुए संतुष्टिपूर्वक बंद कराने का कार्य करें। कलेक्टर ने कहा कि अभी भी कई विभाग ऐसे हैं। जो बताए जाने के बाद भी शिकायते बंद करने का कार्य नहीं कर रहे है। माह जनवरी 2024 से पूर्व के लंबित प्रकरण पोर्टल में दिखाई दे रहे हैं। कलेक्टर ने सीईओ जनपद को निर्देशित करते हुए कहा कि कई शिकायतें गैर तकनीकी स्वरूप की हैं।

जिन्हें अन्य विभागो को ट्रांसफर करने की बजाय स्वयं निराकरण कर सकते है। भू-अर्जन में अमरपाटन 16, रामनगर 1, विपणन 11, लोक शिक्षण 3, जल संसाधन 1, गृह निर्माण 1, श्रम 2, पंचायती राज 12, सामाजिक न्याय 2, पीडब्ल्यूडी 1, नर्मदा घाटी विकास 1, एमपीआरडीसी 32, महिला बाल विकास 116, कृषि 4, नगर पालिका मैहर 71, राज्य शिक्षा 5, पशुपालन 2, उच्च शिक्षा 6, प्रसूति सहायता 28 एवं सभी पंचायतों में 500 से अधिक शिकायतें माह जनवरी 2024 के पहले से लंबित है। कलेक्टर ने सभी विभागो को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी विभाग अपनी-अपनी लंबित शिकायतो को ध्यानपूर्वक इस हफ्ते सभी बंद करने का प्रयास करे और जनवरी 2024 से पूर्व की एक भी शिकायत लंबित नहीं रहने का प्रमाण पत्र भी दे।

मुख्य मार्ग से हटवाया गया अवैध अतिक्रमण

पीड़ित ने की थी शिकायत, प्रशासन ने दबंगों को दी चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, मऊ निप्र। मऊ के चित्रकूट के चक मार्ग और मुख्य मार्ग पर दबंगों के कब्जे को हटाने की कार्रवाई की। साथ ही, अवैध कब्जा दोबारा न करने की हिदायत भी दी गई।

मऊ के लबेद खंडेहा निवासी केदारनाथ ने उच्च अधिकारियों से शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि उनके गांव में चकबंदी समाप्त हो गई है, लेकिन गांव के दबंगों ने चक मार्ग और मुख्य मार्ग पर स्थायी और अस्थायी अतिक्रमण कर रखा है। इस अतिक्रमण के कारण खेतों में आने-जाने का रास्ता बंद हो गया है।

अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग: केदारनाथ ने कहा कि वह कई बार अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं। उनके इकलौते बेटे को मुख का कैंसर हो गया है, जिसके कारण वह उसकी दवा और देखभाल में लगा रहता है। पत्र में उन्होंने घर के सामने और खेत के सामने मुख्य मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की थी।

जिलाधिकारी के निर्देश पर हटाया गया अतिक्रमण: जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन के निर्देश पर बुधवार को मऊ के उप जिलाधिकारी सौरभ यादव, तहसीलदार विजय कुमार यादव, मऊ के खंड विकास अधिकारी राम जी मिश्रा और नायब तहसीलदार जितेन्द्र कुमार ने क्षेत्रीय लेखपाल के साथ मौके पर जाकर अतिक्रमण हटवाया।

इस दौरान सभी अधिकारियों ने दोबारा अवैध कब्जा न करने की हिदायत भी दी। इस कार्रवाई से गांव के निवासियों ने राहत की सांस ली है और उन्होंने प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय में याद किए गए पंडित दीनदयाल

संगोष्ठी में बोले कुलगुरु- उनके चिंतन पर ही प्रगति पथ पर बढ़ रहा है भारत

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। भाजपा के संस्थापक सदस्य एवं एकात्म मानव वाद के प्रबल पक्षधर माने जाने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय का उनकी जन्मतिथि पर महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में पुण्य स्मरण किया गया। विश्वविद्यालय के दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र में वी बोक व एम बोक के छात्र-छात्राओं ने दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर कुलगुरु प्रोफेसर भरत मिश्रा की उपस्थिति में एक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र के सेवानिवृत्त प्राचार्य राजेश सिन्हा रहे।

इस अवसर पर कुलगुरु प्रो मिश्रा ने कहा कि पंडित दीनदयाल के आदर्श हम सबके जीवन में अनुकरणीय है। उनका चिंतन, दर्शन वर्तमान परिवेश में अत्यधिक प्रासंगिक है। आज भारत के प्रगति के पथ पर अग्रसर होने के पीछे पंडित दीनदयाल का चिंतन ही कार्य कर रहा है। कुलगुरु ने छात्र-छात्राओं को पंडित दीनदयाल के जीवन दर्शन पर कम से कम दो पृष्ठ आलेख लिखने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इंजीनियर राजेश सिन्हा ने पंडित दीनदयाल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से जुड़े प्रेरक प्रसंग साझा किए। कार्यक्रम का संयोजन दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र के प्राचार्य इंजीनियर रविकांत श्रीवास्तव ने किया।

इस मौके पर प्रो रमेश चंद्र त्रिपाठी, डॉ आन्जनेय पान्डेय, इजी अश्विनी दुग्गल, डॉ चन्द्र प्रकाश गूजर, डॉ शिव शंकर सिंह, इं के पी मिश्रा, मनीष तिवारी, प्रकाश त्रिपाठी आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रायोगिक और तकनीकी समन्वयन बाबूलाल का रहा। संचालन डॉ गोविंद सिंह ने किया। व्यवस्था कार्य में सत्यनारायण गर्ग, लक्ष्मण प्रसाद गर्ग, संजय कुमार, मुन्ना लाल , जब्बर सिंह, सन्तोष सेन आदि मौजूद रहे। आभार प्रदर्शन इजी रवि कांत श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

मैहर के गौरव दिवस आयोजन संबंधी बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर कलेक्टर रानी बाटड़ की अध्यक्षता में बुधवार को गौरव दिवस की बैठक का आयोजन किया गया। अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह ने बताया कि 5 अक्टूबर 2024 को मैहर जिले की स्थापना के प्रथम वर्ष पूर्ण होने पर जिले में गौरव दिवस के रूप में कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। जिसमें विभिन्न प्रकार के खेल-कूद, खान-पान, वेश-भूषा, रंगोली, मेंहदी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी होगा। जिसमें जिले के सभी नागरिक एवं स्कूल, गैर स्कूली बच्चे एवं छात्र-छात्रा भी प्रतिभागी हो सकते हैं। कार्यक्रमों के लिए आवेदन 29 सितंबर तक रजिस्ट्रेशन करवाना आवश्यक है। कार्यक्रमों की शुरुआत 5 अक्टूबर को प्रातः 6 बजे से मां शारदा देवी को नमन करते हुए वेद विद्यालय के उत्कृष्ट छात्रों द्वारा वेदमंत्रो के उच्चारण के साथ जिले के घंटाघर से चुनर यात्रा मां शारदा देवी मंदिर तक आयोजित की जायेगी। इसके उपरांत प्रातः 8 बजे मैहर के उस्ताद अलाउद्दीन खां खेल मैदान में सामूहिक रूप से 10 हजार छात्र-छात्राओं के द्वारा राष्ट्रगान का गायन किया जायेगा। प्रातः 10 बजे से खेल प्रतियोगितायें आयोजित की जायेगी। शाम 5 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं लेजर लाइट कार्यक्रम होगा, जिसमें मैहर के इतिहास को दिखाया जायेगा।

इस दौरान स्थानीय व्यंजनों के स्टाल लगायेंगे। जो देशी खान-पान पर आधारित होंगे। जिला प्रशासन द्वारा अपील की गई है कि चुनर यात्रा में महिला को पारंपरिक परिवेश लाल या पीले रंग की साड़ी या सलवार शूट, पुरुषों को लाल एवं पीले रंग के कुर्ता एवं सफेद पैजामा पहनना अनिवार्य है एवं खाने के स्टाल वाले देसी दोने पत्तल में खाना सर्व कर सकते है ना की थर्माकोल और प्लास्टिक के। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंच कर नगर के गौरव दिवस के कार्यक्रम को सफल बनाएं।

शहर में प्लॉग रन के जरिये दिया गया स्वच्छता का संदेश

राज्यमंत्री बागरी की उपस्थिति में कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। स्वच्छता ही सेवा अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के तहत बुधवार को नगर पालिक निगम सतना द्वारा प्लॉग रन का आयोजन किया गया। प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने हरी झण्डी दिखाकर स्वच्छता रैली को नगर निगम कार्यालय परिसर से रवाना किया और स्वयं भी रैली में शामिल हुई। यह रैली सर्किट हाउस चौक भरहुत नगर मोड होते हुए में सेमरिया चौक स्थित टाउनहाल में संपन्न हुई। राज्यमंत्री सहित सभी जनप्रतिनिधियों ने सडक के आस-पास फेंके गये कचरा को उठाते हुए स्वच्छता के महत्व और स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए नगरवासियों को जागरूक किया। राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि अपने घर के आस-पास तथा बाजार क्षेत्र को साफ सुथरा रखे। नालियों में गंदा पानी जमा न होने दे, गीले कचरे से घर पर ही खाद बनाकर खेती मे उपयोग करे। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न तो खुद करे और न ही किसी और को करने दे। गीला कचरा और सूखा कचराघर पर ही अलग-अलग डस्टबीन में इकट्ठा करके रखे। नगरीय निकाय के कचरा वाहन में कचरा डालने की समझाईश दी गई। कार्यक्रम के समापन पर राज्यमंत्री बागरी ने उपस्थित जनों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई।

महापौर योगेश ताम्रकार ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत प्रत्येक दिन साफसफाई पर केन्द्रित गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। इन गतिविधियों के माध्यम से शहरी क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर श्रमदान कराकर सफाई कराई जायेगी। श्रमदान के माध्यम से कार्य करने का उद्देश्य यह है कि इससे सार्वजनिक सहभागिता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमें खुद को अपने घर के साथ आस-पास के क्षेत्र, पेयजल स्त्रोत, समाज, समुदाय, शहर, उद्यान और पर्यावरण आदि को रोज स्वच्छ रखने की जरूरत है। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी, नगर निगम आयुक्त शेर सिंह मीना, जिला कार्यक्रम अधिकारी सौरभ सिंह, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 प्राचार्य सुशील श्रीवास्तव, एनएसएस की जिला संगठक डॉ. क्रान्ति मिश्रा सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेला आज उचेहरा में

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। शासकीय आईटीआई सतना एवं जिला रोजगार कार्यालय सतना द्वारा सुपरवाइजर पद की भर्ती के लिये सतना एवं मैहर जिले की समस्त शासकीय आईटीआई संस्थाओं में एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजित किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 23 सितंबर से 4 अक्टूबर 2024 तक सतना एवं मैहर जिले की शासकीय आईटीआई संस्थाओं में अलग-अलग तिथियों में प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित कर एसआईएस सिक्योरिटी सर्विस सिंगरौली में सिक्योरिटी गार्ड/सुपरवाइजर पद के लिये योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 26 सितंबर को शासकीय आईटीआई उचेहरा, 27 सितंबर को शासकीय आईटीआई नागौद, 30 सितंबर को शासकीय आईटीआई रामनगर, 1 अक्टूबर को शासकीय आईटीआई अमरपाटन, 3 अक्टूबर को शासकीय आईटीआई मैहर, 4 अक्टूबर को शासकीय आईटीआई सतना में प्रातः 10.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। जिसमें आयु 19 से 40 वर्ष आयुवर्ग तथा 10वीं पास/फेल, 12वीं उत्तीर्ण बेरोजगार आवेदक अपने मूल रिकार्ड के साथ निर्धारित स्थान पर उपस्थित हो सकते हैं। भर्ती से संबंधित जानकारी के लिए अनूप सिंह बैस मो. 7470803157 पर सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जिला स्तरीय कौशल समिति की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिला कौशल समिति के लक्ष्यों एवं उद्देशो की प्राप्ति के लिए नवीन गठित जिला मैहर में जिला कौशल समिति की बैठक बुधवार को कलेक्टर रानी बाटड की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिला कौशल समिति के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए विभिन्न एजेंडा बिंदु पर चर्चा की गयी।

इस दौरान मैहर सहित प्रदेश के युवक-युवतियों को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, कौशल विकास केन्द्रों, विभिन्न औद्योगिक इकाइयों एवं संगठनों के माध्यम से प्रशिक्षण एवं रोजगार के सृजन करने हेतु रूपरेखा तैयार की गई। कलेक्टर ने कहा कि रोजगार के अवसर प्राप्त करने के लिए आवेदक जिले का हो या जिले के बाहर के सभी को रोजगार प्राप्त करने के अवसर दिये जाये। ऐसी व्यवस्था जिले में बनाई जाये।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।